website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 45 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 25 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

रोजगार मेले में पीएम मोदी की बड़ी सौगात, 61 हजार से ज्यादा युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र

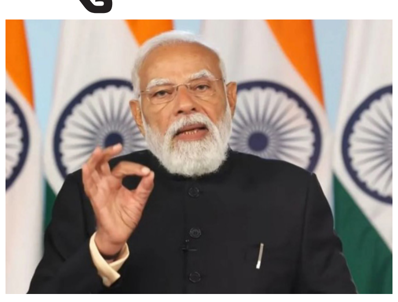

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को रोजगार मेले में सरकारी नौकरियों के 61,000 नियुक्ति पत्र सौंपे। 18वें रोजगार मेले के तहत विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में ये नियुक्तियां की जाएंगी। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, 'आज के इस महत्वपूर्ण दिन देश के 61 हजार से अधिक नौजवान जीवन की नई शुरुआत कर रहे हैं। आज आप सभी को सरकारी सेवाओं के नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। ये एक तरह से नेशन बिल्डिंग का इनविटेशन लेटर है। यह विकसित भारत के निर्माण को गति देने का संकल्प पत्र है।' वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीएम मोदी ने कहा, 'साल 2026 का आरंभ आपके जीवन में नई खुशियों का आरंभ कर रहा है। इसके साथ ही जब बसंत पंचमी कल ही गई है तो आपके जीवन में भी ये नई बसंत का आरंभ हो रहा है। आपको ये समय संविधान के प्रति अपने दायित्वों से भी जोड़ रहा है। संयोग से इस समय देश में गणतंत्र का महापर्व चल रहा है।'

तेजी से बदलती तकनीक में खुद को अपग्रेड करने की जरूरत:-

पीएम मोदी ने कहा कि तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी के इस दौर में देश की जरूरतें और प्राथमिकताएं भी तेजी से बदल रही हैं। इस तेज बदलाव के साथ आपको खुद को अपग्रेड करते रहना है। उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि इतने कम समय में करीब डेढ़ करोड़ सरकारी कर्मचारी IGOT के इस प्लेटफॉर्म से जुड़कर खुद को नए सिरे से ट्रेंड कर रहे हैं, इम्पॉवर कर रहे हैं। हम सभी के लिए एक मंत्र है- नागरिक देवो भवः ।'

रिफॉर्म एक्सप्रेस की रफ्तार, महिलाओं और युवाओं को नए मौके:-

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर चल पड़ा है। इसका उद्देश्य, देश में जीवन और कारोबार, दोनों को आसान बनाने का है। उन्होंने कहा, 'आज के इस आयोजन में 8 हजार से ज्यादा बेटियों को भी नियुक्ति पत्र मिले हैं। बीते 11 वर्षों में देश के वर्कफोर्स में, वीमेन पार्टिसीपेशन में करीब करीब दोगुनी बढ़ोतरी हुई है।' उन्होंने यह भी कहा कि आज भारत सरकार, अनेक देशों से ट्रेड और मोबिलिटी एग्रीमेंट कर रही है। ये भारत के युवाओं के लिए अनेकों नए अवसर लेकर आ रहे हैं। डिजिटल मीडिया... ऐसे अनेक क्षेत्रों में भारत एक ग्लोबल हब बनता जा रहा है। भारत की क्रिएटर इकोनॉमी बहुत तेज गति से बढ़ रही है।

SIR से बंगाल में मातम? ममता बनर्जी का बड़ा दावा—रोज़ 3–4 आत्महत्याएं, 110 से ज्यादा मौतें

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में SIR की चिंता के कारण हर दिन 3 से 4 लोग आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अब तक 110 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। ममता बनर्जी ने कहा कि 40 से 45 लोग अस्पतालों में भर्ती हैं और जिंदगी व मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि इतने वर्षों बाद क्या अब हमें यह साबित करना पड़ेगा कि हम इस देश के नागरिक हैं। मुख्यमंत्री ने ये बातें कोलकाता के रेड रोड पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कहीं।

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से लाखों नाम हटाने का आरोप:-

ममता बनर्जी ने बताया कि दिसंबर में जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 58 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कुल 7.6 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 1.66 करोड़ मतदाताओं की नागरिकता पर संदेह जताया गया है। इन लोगों को दस्तावेजों की दोबारा जांच के लिए सुनवाई का नोटिस भेजा गया है।

नामों की वर्तनी को लेकर SIR पर ममता की आपत्ति:-

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल में एक ही सरनेम की अलग-अलग वर्तनी होना आम बात है। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि उनका उपनाम बनर्जी और बंदोपाध्याय, दोनों तरह से लिखा जाता है, लेकिन SIR कराने वालों को यह भी समझ नहीं है। ममता बनर्जी के मुताबिक ऐसी ही तकनीकी और नामों से जुड़ी गड़बड़ियों के चलते 1.38 करोड़ लोगों को नोटिस भेजे गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बुजुर्ग लोगों को भी SIR की सुनवाई के लिए बुलाया गया। ममता ने सवाल उठाया कि मशहूर अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन को भी इस मामले में नोटिस क्यों भेजा गया।

भाजपा पर बंगाल विरोधी साजिश और इतिहास से छेड़छाड़ का आरोप:-

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर बंगाल के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, डॉ. भीमराव अंबेडकर और ईश्वर चंद्र विद्यासागर जैसे महापुरुषों का अपमान किया जा रहा है और देश के इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है।

BLO की लापरवाही पर चुनाव आयोग सख्त, कार्रवाई तय:-

इस बीच चुनाव आयोग ने सभी राज्यों को एक पत्र भेजा है। इसमें कहा गया है कि यदि कोई बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) दुर्व्यवहार करता है, आयोग के निर्देशों का पालन नहीं करता, नियमों का उल्लंघन करता है या चुनावी काम में लापरवाही बरतता है, तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

राजनीति में महिलाओं को पुरुषों से तीन गुना ज्यादा संघर्ष करना पड़ता है: वसुंधरा राजे

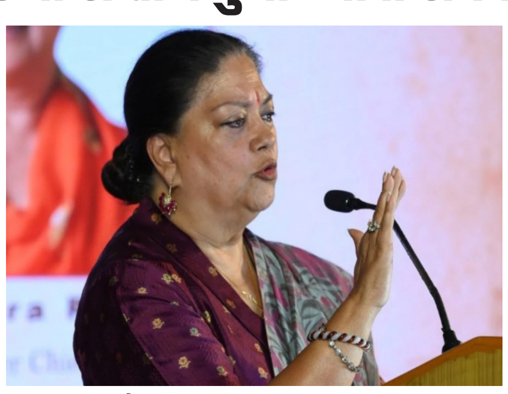

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा है कि राजनीति आज भी महिलाओं के लिए आसान क्षेत्र नहीं है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को तीन गुना अधिक मेहनत, संघर्ष और धैर्य दिखाना पड़ता है, तब जाकर उन्हें राजनीति में अपनी जगह बनानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल नारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रतिनिधित्व और निर्णय प्रक्रिया में बराबरी की भागीदारी से ही इसका उद्देश्य पूरा होगा।वसुंधरा राजे शनिवार को जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित जाट महिला शक्ति संगम कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद रहे।

महिला प्रतिनिधित्व में सुधार, पर बराबरी अभी बाकी

पूर्व मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण से जुड़े आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज़ादी के समय देश में महिलाओं की साक्षरता दर केवल 9 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर लगभग 65 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यह प्रगति का संकेत जरूर है, लेकिन इसे अंतिम उपलब्धि नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में उम्मीदवार बनने वाली महिलाओं की संख्या आज भी करीब 10 प्रतिशत के आसपास है, जबकि वर्ष 1957 में यह आंकड़ा मात्र 3 प्रतिशत था। पहली लोकसभा में महिला सांसदों की संख्या 22 थी, जो वर्तमान में बढ़कर 74 तक पहुंची है। राज्यसभा में भी महिला सदस्यों की संख्या 1952 में 15 थी, जो अब 42 हो गई है। राजे ने कहा कि ये आंकड़े यह बताते हैं कि स्थिति बदली है, लेकिन महिलाओं की भागीदारी अभी भी पुरुषों के बराबर नहीं है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की समान हिस्सेदारी सुनिश्चित होगी।

शिक्षा को महिला सशक्तिकरण की असली ताकत बताया

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की पहली महिला राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल और वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह साबित किया है कि शिक्षा ही महिलाओं की सबसे बड़ी ताकत है। जब महिलाएं शिक्षित होती हैं, तो वे केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज और देश के लिए भी बेहतर फैसले लेती हैं। उन्होंने जाट समाज की महिला नेताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कमला बेनीवाल, हेमा मालिनी, सुमित्रा सिंह, प्रियंका चौधरी, रीटा चौधरी, शिखा मील, सुशीला बराला, पद्मश्री से सम्मानित कृष्णा पूनिया, कमला कंस्वा और दिव्या मदेरणा जैसी महिलाओं ने राजनीति और सार्वजनिक जीवन में अपनी अलग पहचान बनाई है। ये सभी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

जाट आरक्षण पर राजे की भूमिका की सराहना

कार्यक्रम में जाट महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील ने कहा कि जाट समाज के आरक्षण को बचाने का श्रेय वसुंधरा राजे को जाता है। उन्होंने कहा कि जब आरक्षण पर संकट था, तब राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाते हुए राजे ने इसे सुरक्षित रखा। राजाराम मील ने कहा कि धौलपुर और भरतपुर क्षेत्र के जाटों को आरक्षण का लाभ दिलाने में भी वसुंधरा राजे की निर्णायक भूमिका रही है। जाट समाज उनके योगदान को लंबे समय तक याद रखेगा।

महिला सशक्तिकरण पर अन्य वक्ताओं के विचार

कार्यक्रम में विधायक शिखा मील, पूर्व विधायक कृष्णा पूनिया और पूर्व न्यायाधीश राजेंद्र चौधरी ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समानता और राजनीतिक भागीदारी लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनिवार्य हैं। अपने संबोधन के अंत में वसुंधरा राजे ने कहा कि सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन की असली ताकत महिला शक्ति ही है। उन्होंने महिलाओं से शिक्षा, संगठन और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया और कहा कि अब समय आ गया है कि महिलाएं नेतृत्व की भूमिका के लिए खुद को पूरी तरह तैयार करें।

आश्चर्य हुआ कि भारत सरकार ने ठीक वैसा ही किया, जैसा मैंने कहा था; किस बात पर बोले शशि थरूर?

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में पार्टी के घोषित रुख का कभी उल्लंघन नहीं किया और सैद्धांतिक रूप से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर थी। थरूर ने केरल साहित्य महोत्सव के एक सत्र के दौरान सवालों का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने उस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया था और उन्हें इसका खेद नहीं है। उनका यह बयान इन हालिया खबरों के बीच आया है जिनमें थरूर के पार्टी नेतृत्व से मतभेद की बात कही गई है। ऐसी अटकलें हैं कि थरूर इस बात से आहत हैं कि राहुल गांधी ने हाल में कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान मंच पर उनके मौजूद होने के बावजूद उनके नाम का उल्लेख नहीं किया और राज्य के नेताओं द्वारा बार-बार उन्हें दरकिनार करने की कोशिश की जा रही है।

'भारत सरकार ने ठीक वैसा ही किया, जैसा...'

थरूर ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा कि एक पर्यवेक्षक और लेखक के रूप में उन्होंने पहलगाम घटना के बाद एक अखबार में स्तंभ लिखा था जिसमें उन्होंने कहा था कि इसकी सजा मिलनी चाहिए और ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, ऐसे में उसे पाकिस्तान के साथ लंबे टकराव में नहीं पड़ना चाहिए और कोई भी कार्रवाई आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाने तक सीमित होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि उन्हें आश्चर्य हुआ कि भारत सरकार ने ठीक वही किया जैसा उन्होंने कहा था।

'भारत को ही सर्वोपरि होना चाहिए'

थरूर ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ही यह प्रश्न किया था कि "अगर भारत खत्म हो जाएगा तो कौन जीवित रहेगा?" उन्होंने कहा, "जब भारत दांव पर हो, जब भारत की सुरक्षा और दुनिया में उसका स्थान दांव पर हो तो भारत पहले आता है।" कांग्रेस सांसद ने कहा कि बेहतर भारत के निर्माण की प्रक्रिया के तहत राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हो सकते हैं लेकिन जब राष्ट्रहित की बात आती है तो भारत को ही सर्वोपरि होना चाहिए।

RJD की कमान तेजस्वी यादव को सौंपने की तैयारी!

बिहार। आरजेडी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की रविवार (25 जनवरी) को अहम बैठक होने वाली है। होटल मौर्य में रखी गयी इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जा सकता है। लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी सहित कई बड़े नेता इस मीटिंग में मौजूद रहेंगे। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव शनिवार (24 जनवरी) पार्टी कार्यालय में कर्पूरी ठाकुर जयंती के अवसर पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कर्पूरी जी का जो सपना था, अभी तक पूरा नहीं हुआ है। आने वाले भविष्य में उनके सपनों को पूरा करना है। बिहार की जो स्थिति है, गरीबी है, पलायन है, शिक्षा, चिकित्सा के मामले में, बिहार सबसे नीचे है। न कारखाना है, ना ही उद्योग है, मजदूर बदहाल है, किसान तबाह है, लेकिन सरकार को कोई चिंता नहीं है।

लोकतंत्र में 'लोक' हार गया, 'तंत्र' जीत गया- तेजस्वी यादव

पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा, ''बिहार में पिछले 20 साल से सत्ता में वही लोग हैं जो कर्पूरी ठाकुर जी को गाली दे रहे थे। वो संविधान को बदलने और लोकतंत्र को खत्म करने की बात करते हैं। भाईचारे को भंग करने का काम करते हैं और इसी दिशा में यह लोग काम कर रहे हैं। हमने चुनाव हारने के बाद ही कहा कि लोकतंत्र में 'लोक' हार गया है, 'तंत्र' जीत गया है। इन लोगों ने जनतंत्र को 'धनतंत्र' और मशीन तंत्र बना दिया है।"

100 दिन तक हम कुछ नहीं बोलेंगे- तेजस्वी यादव

उन्होंने आगे कहा, ''पूरा सिस्टम उनके साथ था और सभी उनके साथ चुनाव लड़ा है। पूरा सिस्टम लगने के बाद भी हम लोगों को एक करोड़ 90 लाख वोट मिला है। 60% बिहार की जनता ने उनके खिलाफ वोट किया है। कहा था कि यह सत्ता में जैसे तैसे आए हैं। सरकार बनने के बाद से 100 दिन तक हम कुछ नहीं बोलेंगे।"

घोषणा पत्र की सभी बातों को लागू करे सरकार- तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने ये भी कहा कि हम लोग चाहेंगे कि एक लाख 90 हजार माता बहनों को खाते में पैसा भेज दिया जाए। 1 करोड़ नौकरी की जो बात की गई थी। लोगों को दिया जाए। प्रत्येक जिला में फैक्ट्री लगाने की बात इन्होंने कही थी तो वह फैक्ट्री लगवा दिया जाए अब। जो घोषणा पत्र इन लोगों ने 38 सेकंड में खत्म कर दिया था। अब घोषणा पत्र की सभी बातों को लागू कर दें।

US से अडाणी को दो बार समन, भारत सरकार ने तामील से रोका

नई दिल्ली। अमेरिकी शेयर बाजार नियामक संस्था SEC (सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन) और भारत सरकार के विधि मंत्रालय के बीच गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी को भेजे गए समन को लेकर विवाद सामने आया है। दस्तावेजों के मुताबिक, भारत सरकार ने मई और दिसंबर 2025 में दो बार इन समनों को तामील करने से इनकार कर दिया। पहली बार मई 2025 में मंत्रालय ने यह कहकर समन लौटा दिए कि SEC के कवर लेटर पर असली हस्ताक्षर (इंक सिग्नेचर) नहीं थे और जरूरी दस्तावेजों पर आधिकारिक मुहर भी नहीं लगी थी। दूसरी बार दिसंबर 2025 में मंत्रालय ने SEC के ही एक आंतरिक नियम (Rule 5-b) का हवाला देते हुए कहा कि इस नियम के तहत SEC को इस तरह का समन जारी करने का अधिकार नहीं है। इसके जवाब में SEC ने न्यूयॉर्क की एक अदालत में अर्जी दाखिल कर भारत सरकार के तर्कों को बेबुनियाद बताया है। SEC का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून में समन भेजने के लिए न तो इंक सिग्नेचर जरूरी है और न ही विशेष मुहर। साथ ही Rule 5-b SEC की आंतरिक जांच प्रक्रिया से जुड़ा है, न कि उसकी अंतरराष्ट्रीय कानूनी शक्ति से। अडाणी ग्रुप ने आरोपों को पूरी तरह आधारहीन बताया है। अडाणी ग्रीन एनर्जी ने स्पष्ट किया कि यह मामला सिविल प्रकृति का है और कंपनी इसमें पक्षकार नहीं है। खबर के बाद अडाणी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई और कुल मार्केट कैप करीब ₹1 लाख करोड़ घट गई।

कलयुग का कालनेमि कौन? अविमुक्तेश्वरानंद प्रकरण में अखिलेश यादव का योगी सरकार पर हमला

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े मामले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सीधा निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने सवाल उठाते हुए कहा कि जो लोग कालनेमि को याद करते हैं, वे यह भी बताएं कि कलयुग का कालनेमि आखिर कौन है। उन्होंने कहा कि कालनेमि अब काल बनकर सामने आएगा। एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की ओर से दिए गए नोटिस पर भी अखिलेश यादव नाराज़ दिखे। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को चुनाव आयोग नोटिस भेज रहा है, उसकी जानकारी राजनीतिक दलों को क्यों नहीं दी जा रही। अखिलेश ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग निष्पक्ष नहीं है और वह सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। अधिकारियों पर सरकार के साथ मिलकर गड़बड़ी करने का भी उन्होंने आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने कहा कि उनसे कहा गया था कि एसआईआर के बाद मतदाता सूची में किसी तरह की कोई कमी नहीं रहेगी। लेकिन उपचुनाव में उन्होंने देखा कि वोट लूटे गए। चुनाव आयोग ने पहले कहा था कि सीसीटीवी फुटेज किसी भी राजनीतिक दल को नहीं दी जाएगी। एसआईआर रिवीजन के नाम पर कई तरह की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि बीएलओ की ट्रेनिंग किस तरह कराई गई थी, जिसमें कई बीएलओ की जान भी चली गई। अखिलेश ने सवाल किया कि चुनाव आयोग आखिर कर क्या रहा है। एक ही नाम से दो-दो वोट बन रहे हैं। उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग उन्हें सहयोग करे। केजीएमयू से मजार हटाने के सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को केजीएमयू भी गिरवा देना चाहिए, क्योंकि इसे क्रिश्चियन ने बनाया था। अविमुक्तेश्वरानंद विवाद को लेकर उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी उनके संपर्क में है और उनसे बातचीत कर रही है।

एसआईआर को लेकर भ्रम क्यों फैलाया जा रहा है:-

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर को लेकर जनता के बीच भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि आधार को मतदाता सूची से जोड़ा जाए। जाति आधारित जनगणना को लेकर उन्होंने कहा कि सभी जातियों की सही गिनती नहीं कराई जा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि सबसे ज्यादा गायें हमारे यहां हैं और हमारे घरों में पहली रोटी गाय को दी जाती है। उन्होंने बताया कि कन्नौज में देश का पहला काउ मिल्क प्लांट लगाया गया था, लेकिन मौजूदा सरकार ने उसे बंद कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार गाय और गौ-वंश विरोधी है। अखिलेश ने कहा कि सपा की सरकार बनने पर गाय का दूध लिया जाएगा और जनता में बांटा जाएगा। उन्होंने डायल-100 व्यवस्था को भी सरकार द्वारा बर्बाद किए जाने का आरोप लगाया।

'पुतिन बातचीत के नहीं, कटघरे के हक़दार'; UAE शांति वार्ता से पहले यूक्रेन का बड़ा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन युद्ध लगातार अपनी गति पकड़े हुए है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में आबूधाबी में होने वाले शांति वार्ता से पहले यूक्रेन ने रूस पर तेज हमले का आरोप लगाया है। यूक्रेनी विदेश मंत्री ने शनिवार को पुतिन पर हमला बोलते हुए कहा कि रूस ने ऐसे समय में यूक्रेन पर तेज मिसाइल हमला किया है, जब आबूधाबी में बातचीत के लिए यूक्रेन, रूस और अमेरिका का प्रतिनिधिमंडल मौजूद है। विदेश मंत्री आंद्रिय सिबीहा ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपनी भड़ास निकालते हुए कहा, "यह बर्बर हमला साबित करता है कि पुतिन की जगह किसी बातचीत की मेज पर नहीं बल्कि विशेष कोर्ट के कटघरे में है।" आपको बता दें यूक्रेनी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आबूधाबी में होने वाली शांति वार्ता से ठीक पहले शनिवार तड़के रूस ने यूक्रेन के दो सबसे बड़े शहरों कीव और खारकीव पर कई तेज हवाई हमले किए। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इन हमलों में 1 व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कम से कम 23 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यूक्रेनी वायुसेना ने इस घटना की जानकारी देते हुए कहा कि इन हमलों में 375 ड्रोन और 21 मिसाइलें दागी गई थीं। रूस ने एक बार फिर से यूक्रेन की कमर तोड़ने के लिए उसके ऊर्जा संसाधनों पर निशाना साधा था। इस हमले की वजह से राजधानी कीव के एक बड़े हिस्से की बिजली भी गुल हो गई थी। आपको बता दें, अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति मादुरो को उनके घर से उठाने के बाद से जेलेंस्की पुतिन के साथ भी वैसा ही सुलूक करने की मांग करते रहे हैं। मादुरो पर अमेरिकी ऐक्शन के तुरंत बाद ही उन्होंने कहा था कि अगर तानाशाहों के साथ ऐसा बर्ताव किया जाता है, तो फिर अमेरिका को पता है कि पुतिन के साथ क्या करना है। अभी हाल में ही उन्होंने एक बार फिर कहा था कि मादुरो न्यूयॉर्क कोर्ट में न्याय का सामना कर रहे हैं, लेकिन पुतिन अभी भी आजाद है।

आबूधाबी में होने वाली है शांति वार्ता:-

इससे पहले, आबूधाबी में होने वाली शांति वार्ता को लेकर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि पहले दिन ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की सोचना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले तो रूस को यह दिखाना होगा कि वह युद्ध खत्म करने के लिए तैयार है। यूक्रेन और रूस के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में हो रही इस बातचीत को लेकर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव का बयान भी सामने आया था। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि रूस इस युद्ध को समाप्त करने के लिए अपनी मांग से पीछे नहीं हटा है। उन्होंने कहा कि हमने डोनबास क्षेत्र को सौंपने की अपनी मांग नहीं छोड़ी है। गौरतलब है कि डोनबास यूक्रेन के लिए बहुत ही जरूरी क्षेत्र है। इसमें औद्योगिक रूप से मजबूत दोनेत्स्क और लुहांस्क दोनों क्षेत्र शामिल हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

एआई के सभी स्तरों पर काम करना जरूरी है

दावोस में वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम के दौरान भारत के एक केंद्रीय मंत्री ने एक पैनल डिस्कशन में महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उन्होंने आईएमएफ की उस रिपोर्ट पर सवाल उठाया, जिसमें भारत को एआई राष्ट्रों की रैंकिंग में सेकंड टीयर में रखा गया था। मंत्री ने कहा कि एआई आर्किटेक्चर को समझने के लिए पांच स्तरों पर काम करना जरूरी है—एप्लीकेशन, मॉडल, चिप्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी। उनके अनुसार भारत एप्लीकेशन लेयर में दुनिया का सबसे बड़ा सर्विस प्रोवाइडर बन सकता है, जिससे उद्योग एआई की सेवाओं का उपयोग कर निवेश पर बेहतर लाभ (ROI) कमा सकेंगे। मंत्री का यह दृष्टिकोण सही और महत्वाकांक्षी है। एप्लीकेशन पर तेजी से काम करने से भारत दुनिया का सबसे बड़ा एआई-सेवा केंद्र बन सकता है। छोटे और बड़े उद्योग एआई का उपयोग कर उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा और डेटा विश्लेषण में तेजी ला सकते हैं। इससे भारतीय उद्योगों को निवेश पर उच्च रिटर्न मिलेगा और देश की तकनीकी छवि मजबूत होगी। हालांकि, विशेषज्ञों का सवाल यह है कि क्या भारत ने अन्य चार स्तरों—मॉडल, चिप्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी—पर भी उतनी ही तेजी से कार्य किया है। चीन ने एआई उपक्रमों के लिए विशेष प्रोत्साहन दिए हैं। वहां कंपनियों के लिए बिजली दर आधी कर दी गई है और कर्मचारियों के परिवहन की सुविधा मुफ्त दी जाती है। अमेरिका भी कुछ स्तरों पर यह समर्थन नहीं दे पाया है। भारत में क्या चिप निर्माण के लिए बिजली-पानी जैसी असाधारण जरूरतों की तैयारी की जा रही है? क्या चिप्स पर देश की संस्थाओं में पर्याप्त शोध हो रहा है, ताकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिक सके? इस संदर्भ में याद करने योग्य है कि मंत्री के बयान से एक माह पहले एनवीडिया के प्रमुख ने भी एआई आर्किटेक्चर के पांच स्तरों का जिक्र किया था। हालांकि उनका क्रम मंत्री के क्रम से उलटा था—एनवीडिया के अनुसार सबसे पहले एनर्जी, फिर चिप, इन्फ्रास्ट्रक्चर, मॉडल और अंत में एप्लीकेशन। यह क्रम संकेत देता है कि वैश्विक दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण आधार ऊर्जा और हार्डवेयर स्तर को माना जाता है। मॉडल और एप्लीकेशन बाद में आते हैं, क्योंकि इनका प्रदर्शन इन मूलभूत स्तंभों की मजबूती पर निर्भर करता है। इस पर भारत की स्थिति पर विचार करना जरूरी है। जबकि एप्लीकेशन में भारत मजबूत है, लेकिन ऊर्जा, चिप निर्माण, इन्फ्रास्ट्रक्चर और मॉडल पर निवेश और नीति समर्थन की गति उतनी तेज नहीं है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिकने के लिए इन सभी स्तरों पर एकसाथ काम करना जरूरी है। केवल एप्लीकेशन पर जोर देकर भारत वैश्विक एआई क्षितिज पर स्थायी नेतृत्व स्थापित नहीं कर सकता। इसलिए यह स्पष्ट है कि भारत को एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा। एप्लीकेशन सर्विस में अग्रणी बनने के साथ-साथ चिप निर्माण, ऊर्जा आपूर्ति, इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास और मॉडल प्रशिक्षण में भी तेजी लानी होगी। केवल इस तरह भारत एआई के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दौड़ में शामिल हो सकता है और अपने तकनीकी व आर्थिक लाभ को स्थायी रूप से बढ़ा सकता है।

'इस्लामिक-नाटो' और भारत के लिए रणनीतिक चुनौतियां

मध्य-पूर्व और दक्षिण एशिया में हाल के घटनाक्रमों ने वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य को नई दिशा दी है। हाल ही में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच एक रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौता सामने आया है, जिसके आधार पर यदि किसी एक सदस्य देश पर हमला होता है तो इसे पूरे समूह पर हमला माना जाएगा। यह समझौता ऐतिहासिक रूप से नाटो जैसी प्रणाली का संकेत देता है, और तुर्किये भी इस गठजोड़ में शामिल होने पर विचार कर रहा है। इस संभावित 'इस्लामिक-नाटो' के भू-राजनीतिक प्रभाव भारत सहित पूरे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं।

ऐतिहासिक संदर्भ

मध्य-पूर्व में एक इस्लामी गठबंधन की अवधारणा कोई नई नहीं है। 1955 में, सोवियत संघ की बढ़ती चुनौती के मद्देनजर ब्रिटेन और अमेरिका के नेतृत्व में बगदाद पैक्ट बनाया गया था, जिसमें इराक, तुर्किये, पाकिस्तान और ईरान शामिल थे। इसी वर्ष इसे सेंट्रल ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (सेंटो) में तब्दील किया गया। हालांकि यह संगठन 1979 में ईरानी क्रांति और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण बिखर गया। इसके बाद, 2015 में सऊदी अरब ने आईएसआईएस के खिलाफ एक इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन के गठन की घोषणा की। पाकिस्तान के पूर्व फौज प्रमुख राहील शरीफ को इसका पहला सैन्य कमांडर नियुक्त किया गया था। यह पहल इस्लामी देशों के बीच सुरक्षा सहयोग की परंपरा को दोबारा जीवित करने की कोशिश थी।

पाक-सऊदी रणनीतिक समझौता

हाल ही में पाकिस्तान और सऊदी अरब ने एक नया रणनीतिक समझौता किया है। इसमें स्पष्ट रूप से नाटो जैसी शर्त शामिल है—यदि गठजोड़ के किसी सदस्य देश पर हमला होता है, तो इसे पूरे संगठन पर हमला मानकर जवाब दिया जाएगा। यह कदम मध्य-पूर्व में बढ़ती अस्थिरता और अमेरिका-इजराइल की ईरान-निर्भर नीति की पृष्ठभूमि में आया है। सऊदी अरब के लिए यह समझौता जरूरी है क्योंकि वह मध्य-पूर्व में इजराइल के बढ़ते प्रभाव और क्षेत्रीय तनाव के मद्देनजर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहता है। उदाहरण के लिए, इजराइल द्वारा कतर पर बमबारी, यमन को लेकर सऊदी-यूएई तनाव, और भारत का ऑपरेशन सिंदूर जैसे घटनाक्रम सऊदी अरब के लिए सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ाते हैं।

पाकिस्तान का दृष्टिकोण

पाकिस्तान के लिए यह समझौता कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। पहली, सऊदी अरब पाकिस्तान की कमजोर होती अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक सहारा बन सकता है। दूसरी, पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार हैं, जो इस गठजोड़ की ताकत को बढ़ाते हैं। तीसरी, पाकिस्तान लंबे समय से कश्मीर मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन की तलाश करता रहा है और इसे इस्लामी संदर्भ में प्रस्तुत करने की कोशिश करता रहा है। इस गठजोड़ में शामिल होने से पाकिस्तान की कूटनीतिक स्थिति मजबूत हो सकती है, भले ही अन्य सदस्य देशों के दृष्टिकोण से कश्मीर का सैन्यीकरण स्वीकार्य न हो। यह उसे मध्य-पूर्व और दक्षिण एशिया में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने का अवसर देगा।

तुर्किये की भूमिका

तुर्किये की भागीदारी इस गठजोड़ में और अधिक चुनौतीपूर्ण और दिलचस्प है। ऐतिहासिक रूप से, तुर्किये उस्मानी साम्राज्य का केंद्र रहा है। नाटो का सदस्य होने के बावजूद तुर्किये अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है और अपनी सैन्य और राजनीतिक क्षमता के बल पर खुद को इस्लामी दुनिया का नेतृत्वकर्ता मानता है। तुर्किये के पास एक मजबूत रक्षा उद्योग, युद्धक्षेत्र का अनुभव और आधुनिक सैन्य तकनीक है। यदि यह गठजोड़ सचमुच अस्तित्व में आता है, तो तुर्किये की भागीदारी इसे केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक रणनीतिक महत्व का बना देगी।

भारत के लिए भू-राजनीतिक चुनौतियां

नई दिल्ली के लिए यह गठजोड़ गंभीर चिंता का विषय हो सकता है। यदि यह इस्लामिक सुरक्षा ब्लॉक बनता है, तो यह पश्चिम एशिया, अफ्रीका के कुछ हिस्सों और दक्षिण एशिया तक फैला होगा। इस प्रकार का गठजोड़ क्षेत्रीय संतुलन को पुनर्परिभाषित कर सकता है। भारत की आर्थिक जीवनरेखाएं—जैसे फारस की खाड़ी, लाल सागर और हिंद महासागर—उसी क्षेत्र से होकर गुजरती हैं, जो इस संभावित गठजोड़ की रीढ़ बन सकती हैं। इससे भारत की व्यापारिक और ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। हालांकि मुस्लिम बहुल देशों के रणनीतिक हितों में मतभेद भी मौजूद हैं। उदाहरण के लिए, सऊदी अरब और पाकिस्तान के संबंध गहरे हैं, लेकिन अन्य देश, जैसे कि यूएई, इस गठजोड़ के प्रति अलग दृष्टिकोण रखते हैं।

यूएई और भारत का तालमेल

हाल ही में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद की भारत यात्रा ने महत्वपूर्ण संकेत दिए। दोनों नेताओं ने भारत-यूएई समग्र रणनीतिक साझेदारी और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर बातचीत की। यात्रा के परिणामस्वरूप रणनीतिक रक्षा साझेदारी के लिए समझौते की संभावना भी सामने आई। यह कदम इस्लामिक-नाटो की संभावना पर यूएई की प्रतिक्रिया जैसा देखा जा सकता है। भारत की विदेश नीति परंपरागत रूप से बहुध्रुवीय दृष्टिकोण पर आधारित रही है। उसने मुस्लिम बहुल देशों के साथ व्यावहारिक कूटनीति के माध्यम से अपने संबंध बनाए हैं। ऐसे में इस्लामिक पहचान पर आधारित गठजोड़ भारत के लिए कूटनीतिक लचीलेपन को चुनौती दे सकता है।

वैश्विक परिदृश्य और भारत

यदि यह इस्लामिक सुरक्षा ब्लॉक सक्रिय होता है, तो यह केवल मध्य-पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। अफ्रीका और दक्षिण एशिया में भी इसका प्रभाव महसूस किया जाएगा। भारत को ऐसे समय में अपने आर्थिक, रणनीतिक और सुरक्षा हितों का पुनर्मूल्यांकन करना आवश्यक होगा। भारत की रणनीति में अब दो प्रमुख पहलू शामिल होंगे—पहला, मध्य-पूर्व के देशों के साथ संतुलित और व्यावहारिक संबंध बनाए रखना। दूसरा, अपने सुरक्षा और ऊर्जा हितों की रक्षा सुनिश्चित करना। भारत को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस्लामिक-नाटो जैसी व्यवस्था उसके समुद्री मार्गों और व्यापारिक जीवनरेखाओं पर प्रतिकूल प्रभाव न डाले। पाक-सऊदी-तुर्किये गठजोड़, जिसे आम बोलचाल में 'इस्लामिक-नाटो' कहा जा रहा है, केवल एक संभावित संगठन नहीं बल्कि क्षेत्रीय शक्ति समीकरण में बदलाव का संकेत है। यह गठजोड़ न केवल पाकिस्तान और सऊदी अरब के हितों को सुरक्षित करेगा, बल्कि तुर्किये के वैश्विक महत्व को भी बढ़ाएगा। भारत के लिए यह चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि यह उसकी कूटनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा नीतियों पर प्रभाव डाल सकता है। इसलिए नई दिल्ली को अपने मध्य-पूर्व नीति, रक्षा रणनीति और बहुपक्षीय कूटनीतिक संबंधों का पुनर्मूल्यांकन करना अनिवार्य होगा। भारत के दृष्टिकोण से, यह आवश्यक है कि वह अपनी आर्थिक जीवनरेखाओं की सुरक्षा करे, रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत बनाए और इस्लामिक-नाटो जैसी संभावित व्यवस्थाओं के प्रभाव का संतुलित मूल्यांकन करे। इस प्रकार, पाक-सऊदी-तुर्किये गठजोड़ भारत और पूरे दक्षिण एशिया के लिए एक गंभीर भू-राजनीतिक चुनौती के रूप में उभर रहा है। भारत के लिए इसका सामना करने का सबसे प्रभावी उपाय यही होगा कि वह बहुपक्षीय दृष्टिकोण अपनाकर, अपने हितों को संरक्षित करते हुए, क्षेत्रीय संतुलन में सक्रिय भूमिका निभाए।

25 जनवरी राष्ट्रीय मतदाता दिवस:

लोकतंत्र की असली ताकत: जागरूक मतदाता

-बाबूलाल नागा

भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान को लेकर कम होते रुझान को देखते हुए राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाने लगा था। पहली बार इसे वर्ष 2011 में मनाया गया। मतदान दिवस मनाने का मुख्य कारण है कि लोगो को मतदान का महत्व बताया जाए ताकि लोग इसके प्रति जागरूक हो और सही उम्मीदवार को चुने जिससे हमारे देश का विकास एक अवरुद्ध दिशा में चल सके। यह दिवस भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए अहम है। इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है। इसलिए हर एक व्यक्ति का वोट राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बनता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस भारतीय लोकतंत्र की उस बुनियाद को याद करने का अवसर है, जिस पर पूरा संवैधानिक ढांचा टिका है। यह दिन केवल मतदाता पहचान पत्र या मतदान प्रतिशत की चर्चा तक सीमित नहीं है, बल्कि उस लोकतांत्रिक चेतना को जगाने का प्रयास है, जिसके बिना लोकतंत्र केवल एक औपचारिक व्यवस्था बनकर रह जाता है। भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में मतदाता केवल एक संख्या नहीं, बल्कि व्यवस्था की आत्मा होता है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को अपनाकर दुनिया को चौंकाया था। अशिक्षा, गरीबी और संसाधनों की सीमाओं के बावजूद देश ने यह भरोसा जताया कि उसका आम नागरिक अपने मत के माध्यम से सही निर्णय लेने में सक्षम है। यही विश्वास भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत बना। राष्ट्रीय मतदाता दिवस उसी ऐतिहासिक भरोसे को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और उसे जीवंत बनाए रखने का माध्यम है। आज मतदान की प्रक्रिया पहले से कहीं अधिक सरल और सुलभ हो चुकी है, लेकिन मतदाता का विवेक पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। सूचना क्रांति के इस दौर में सच और झूठ के बीच की रेखा लगातार धुंधली होती जा रही है। सोशल मीडिया, अफवाहें, भ्रामक प्रचार और नफरत की राजनीति मतदाता की सोच को प्रभावित करने का प्रयास करती हैं। ऐसे समय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस हमें आत्ममंथन के लिए मजबूर करता है कि क्या हम अपने मत का उपयोग विवेक और तथ्य के आधार पर कर रहे हैं या केवल भावनाओं और पूर्वाग्रहों के सहारे। भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में युवाओं की भूमिका हमेशा निर्णायक रही है। हर चुनाव के साथ लाखों नए मतदाता सूची में जुड़ते हैं। पहली बार मतदान करने वाला युवा केवल एक वोटर नहीं, बल्कि लोकतंत्र की भविष्य दिशा तय करने वाला नागरिक होता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य युवाओं को यह एहसास कराना है कि राजनीति से दूरी बनाना समाधान नहीं है, बल्कि जागरूक और जिम्मेदार भागीदारी ही वास्तविक बदलाव का रास्ता है। ग्रामीण भारत में मतदान केवल एक संवैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि सम्मान और पहचान का प्रतीक भी है। राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के दूर-दराज गांवों में जब बुजुर्ग महिलाएं, दिव्यांगजन और पहली बार मतदान करने वाले युवा लंबी दूरी तय कर मतदान केंद्र तक पहुंचते हैं, तब लोकतंत्र की वास्तविक तस्वीर सामने आती है। हाल के वर्षों में मतदाता जागरूकता अभियानों के चलते महिलाओं और वंचित वर्गों की भागीदारी में हुई वृद्धि लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस यह भी याद दिलाता है कि मतदान केवल चुनावी दिन तक सीमित जिम्मेदारी नहीं है। वोट डालने के बाद भी नागरिक की भूमिका समाप्त नहीं होती। चुने गए प्रतिनिधियों से सवाल पूछना, उनके कार्यों की समीक्षा करना और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना भी उतना ही आवश्यक है। लोकतंत्र तभी मजबूत होता है, जब मतदाता केवल मौन दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय सहभागी बनता है। आज देश बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में मतदाता का निर्णय केवल व्यक्ति या दल नहीं, बल्कि नीतियों, दृष्टि और संवैधानिक मूल्यों के आधार पर होना चाहिए। राष्ट्रीय मतदाता दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि क्या हमारा वोट समानता, विकास और लोकतांत्रिक मर्यादाओं को मजबूत कर रहा है या नहीं। चुनाव आयोग द्वारा मनाया जाने वाला यह दिवस प्रशासनिक पहल से आगे बढ़कर सामाजिक आंदोलन का रूप ले सकता है, बशर्ते इसे केवल औपचारिकता न बनाया जाए। स्कूलों, कॉलेजों, गांवों और कस्बों में लोकतांत्रिक संवाद को बढ़ावा देना, मतदान को उत्सव की तरह देखना और हर नागरिक को उसके मत की शक्ति का एहसास कराना समय की आवश्यकता है। अंततः लोकतंत्र की मजबूती ईवीएम, कानून या संस्थाओं से नहीं, बल्कि मतदाता की सोच, साहस और जिम्मेदारी से तय होती है। जब नागरिक यह समझ लेता है कि उसका एक वोट केवल सरकार नहीं, बल्कि समाज की दिशा बदल सकता है, तभी लोकतंत्र जीवंत बनता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस इसी विश्वास को दोहराने का दिन है—कि लोकतंत्र की असली ताकत सत्ता के गलियारों में नहीं, बल्कि जागरूक, निर्भीक और जिम्मेदार मतदाता के हाथ में है।

युवाओं को डॉक्टर-इंजीनियर बनने से आगे का सोचना होगा

आज के समय में युवा वर्ग के लिए केवल डॉक्टर या इंजीनियर बनने तक सीमित सोच रखना पर्याप्त नहीं है। बदलती दुनिया, नई अर्थव्यवस्था और उद्यमिता की बढ़ती संभावनाएं युवाओं को पारंपरिक मार्ग से हटकर नई राह चुनने की प्रेरणा देती हैं। मेरा जीवन इसी अनुभव का उदाहरण है, जिसने मुझे यह सिखाया कि समाज की तय की हुई राह से हटकर खुद की शर्तों पर जीना ही असली सफलता है।

बचपन और परिवार का प्रभाव

मेरे पिता आर्मी में थे और द्वितीय विश्व युद्ध में उन्होंने सक्रिय भागीदारी निभाई थी। पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित गांव सुखो से बंटवारे के बाद मेरे पिता 'दारजी' के रूप में अलग-अलग पोस्टिंग्स पर गए और अंततः कानपुर में मेरा बचपन बीता। आर्मी में रहते हुए पिता की नजर में सफलता के पैमाने भी हमेशा मिलिट्री से जुड़े रहे। मैं शारीरिक रूप से कमजोर, शर्मीला और स्पीच-डिफेक्ट से जूझने वाला बच्चा था। इसलिए पिता की नजरों में मैं हमेशा निराशा का कारण रहा। बचपन में उनके रिजेक्शन ने मुझे झकझोर दिया, लेकिन मैंने इसे सकारात्मक रूप में लेने की कला सीखी। उनकी उपेक्षा ने मुझे अपनी राह चुनने की आज़ादी दी। मां का मुझ पर भरोसा और गणित के प्रति मेरे रुझान ने मेरे आत्मविश्वास को बढ़ावा दिया। 13 साल की उम्र में मुझे हिंदी मीडियम स्कूल से पढ़ाई करने का अवसर मिला और गणित और विज्ञान में मेरी रुचि गहरी हो गई। मेरी जिज्ञासाओं ने मुझे न केवल आत्मनिर्भर बनाया बल्कि एक नई दुनिया के सपनों से भी परिचित कराया।

लाइब्रेरी और नॉलेज-इकोनॉमी का महत्व

घर के पास स्थित वेलफेयर लाइब्रेरी मेरे लिए ज्ञान का खजाना साबित हुई। वहां मुझे इतिहास की किताबों से लेकर अमेरिकी पत्रिकाओं तक पढ़ने का मौका मिला। लाइफ मैगजीन के नए अंक मेरे लिए एक नई दुनिया के द्वार खोलते—लग्जरी कारें, हवाई जहाज, आलीशान घर और जुनूनी एस्ट्रॉनॉट्स के कारनामे। ये तस्वीरें मुझे मेरे सपनों की दिशा दिखाती थीं। उस समय देश नॉलेज-इकोनॉमी की दिशा में कदम रख रहा था। इस बदलाव ने मुझे यह महसूस कराया कि ज्ञान और आत्मविश्वास किसी भी परिस्थिति में नए अवसर पैदा कर सकते हैं।

आईआईटी बॉम्बे: चुनौती और प्रेरणा

स्कूलिंग के बाद मेरा चयन आईआईटी बॉम्बे में हुआ। हालांकि पिता को शुरू में लगा कि मैं एक और बेवकूफी कर रहा हूँ। तब उनके कमांडिंग ऑफिसर ने उन्हें आईआईटी में चयन की महत्ता समझाई। पहली बार मुझे घर लौटकर पिता से शाबाशी मिली। आईआईटी में मेरा अनुभव बेहद मूल्यवान रहा। वहां मैंने सीखा कि सवाल पूछना, बेसिक्स मजबूत करना और समाधान ढूंढ़ना सफलता की कुंजी है। लगातार मूलभूत सवाल पूछने के कारण मेरा निक-नेम 'फंडा सिंह' पड़ गया। यह अनुभव मेरे जीवन का आधार बना और मुझे विश्वास दिलाया कि कठिन परिस्थितियों में भी सफलता संभव है।

भारतीय मध्यमवर्ग और परंपरागत सोच

भारतीय मध्यमवर्ग में अक्सर यही संदेश दिया जाता है—"डॉक्टर बनो, इंजीनियर बनो।" लेकिन उद्यमिता या अपने सपनों को चुनने के बारे में कभी कोई कहता नहीं। अच्छी नौकरी पकड़ना, शादी करना और जिम्मेदार बनना ही अनुशासन माना जाता है। यही सोच युवाओं को अपने दिल की आवाज़ सुनने से रोकती है। उद्यमिता कठिन है, अकेलेपन भरा है, और इसमें सहानुभूति की उम्मीद मत रखिए। लोग आपको पागल कहेंगे, हंसेंगे, लेकिन अगर आपके अंदर जुनून और आग है तो आप चुनौती को पार कर सकते हैं।

उद्यमिता: समाज की अपेक्षाओं के खिलाफ

यदि आप उद्यमी बनना चाहते हैं, तो यह समाज की तय की हुई राह से हटकर एक अकेला रास्ता है। इस रास्ते पर चलना कठिन है, लेकिन असली संतोष वहीं मिलेगा जब आप अपनी आवाज़ पर चलेंगे। उद्यमी को खुद को साबित करना होता है। बाहर से प्रेरणा नहीं मिलती, बल्कि आग भीतर से जलनी चाहिए। आपके पास ऐसा आइडिया होना चाहिए कि हर कोई सोचे—"यह मेरे दिमाग में क्यों नहीं आया?" जिंदगी का सबसे बड़ा सबक यही है कि जो कोई नहीं कर रहा, वह मुझे करना है, अपनी शर्तों और अपने तरीके से।

अनुशासन का सही मतलब

अक्सर अनुशासन को केवल समाज की उम्मीदें पूरी करना समझा जाता है। लेकिन वास्तविक अनुशासन का मतलब अपने सपनों को जीना भी है। उद्यमिता में यह अनुशासन और भी जरूरी है, क्योंकि चुनौतियों और असफलताओं का सामना अकेले करना होता है। आपका आइडिया ऐसा होना चाहिए कि हर व्यक्ति हैरान रह जाए। यही वह कौशल और सोच है जो युवाओं को डॉक्टर या इंजीनियर बनने से आगे ले जाता है।

भारत में अवसर और रिवर्स ब्रेन-ड्रेन

आज भारत तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर और आत्मविश्वास के क्षेत्र में विकास कर रहा है। यह युवा वर्ग के लिए भरपूर अवसर पैदा करता है। मेरे अनुभव के अनुसार, आने वाले समय में भारत में रिवर्स ब्रेन-ड्रेन का ट्रेंड लगातार बढ़ेगा। विदेश में पढ़ाई और अनुभव प्राप्त करने वाले भारतीय युवा देश में लौटकर उद्यमिता, नवाचार और तकनीकी विकास में योगदान देंगे। इस प्रक्रिया में भारत की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। युवाओं के पास अवसरों की कोई कमी नहीं है—वह केवल अपनी सोच और दृष्टिकोण बदलकर नए रास्ते चुनें। मेरे जीवन का अनुभव यही सिखाता है कि जीवन में केवल समाज की अपेक्षाओं को पूरा करना पर्याप्त नहीं है। युवाओं को डॉक्टर-इंजीनियर बनने से आगे सोचना होगा। उद्यमिता, नवाचार और अपने सपनों को जीना असली अनुशासन और सफलता है। आज का भारत अवसरों से भरा है। हर युवा के पास अपनी क्षमता और जुनून के बल पर दुनिया में नाम कमाने का अवसर है। समाज की तय की हुई राह से हटकर, अपने तरीके और अपनी शर्तों पर जीना ही वास्तविक संतोष और उपलब्धि की कुंजी है। युवाओं को यह समझना होगा कि जो कोई नहीं कर रहा, वह उन्हें करना है। और यही सोच, यही साहस, यही दृष्टिकोण उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर से कहीं आगे ले जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्राकृतिक खेती को मिल रही नई दिशा

-प्राकृतिक खेती से 2 लाख 50 हजार किसानों को मिल रहा लाभ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर निर्णय ले रही है। प्रदेश में प्राकृतिक खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि रसायनों पर निर्भरता कम होने के साथ ही यह क्षेत्र टिकाऊ कृषि की ओर अग्रसर हो। सरकार का लक्ष्य किसानों को रसायन-मुक्त और टिकाऊ प्राकृतिक खेती की ओर प्रोत्साहित करना है, जिससे मिट्टी की उत्पादकता में सुधार हो, खेती की लागत कम हो, किसानों की आय बढ़े और अधिकतम उपज प्राप्त हो सके। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के बजट में व्यापक एवं दूरदर्शी कार्ययोजना की घोषणा की गई है। इसके तहत 2 लाख 50 हजार किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत 2 लाख 25 हजार किसानों को केंद्र सरकार 60 प्रतिशत और राज्य सरकार 40 प्रतिशत योगदान दे रही है। अतिरिक्त 25 हजार किसानों को राज्य सरकार द्वारा शत् प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

किसानों को दिया जा रहा विशेष प्रशिक्षण

प्राकृतिक खेती को संगठित रूप से लागू करने के लिए 125 किसानों के 50 हैक्टेयर क्षेत्र में 1 कलस्टर का गठन किया गया है। योजनान्तर्गत राज्य के सभी जिलों में 1 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में 2 हजार कलस्टर बनाये

गये हैं। मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए किसानों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। उदयपुर के प्राकृतिक खेती केंद्र द्वारा विभागीय अधिकारियों, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों एवं किसान मास्टर ट्रेनरों को भी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। चयनित कलस्टरों में किसानों में जागरुकता के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्रत्येक कलस्टर में किसानों के साथ समन्वय हेतु कृषि सखी/ सीआरपी की नियुक्ति की गई है। इन कृषि सखियों को कृषि विज्ञान केंद्रों के द्वारा प्रशिक्षित किया गया है, जिससे वे किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध करा सकें।

बायो इनपुट संसाधन केंद्र पर किसानों को मिल रहे प्राकृतिक उर्वरक

प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए चयनित किसानों को प्रति एकड़ 4 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि डीबीटी के माध्यम से दी जा रही है। यह राशि ऑन-फार्म इनपुट उत्पादन इकाइयों के लिए बुनियादी ढांचा स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो रही है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि स्थानीय स्तर पर किसानों को प्राकृतिक उर्वरक एवं जैविक आदानों की आसानी से उपलब्धता हो। इस हेतु कृषि विभाग द्वारा बायो इनपुट संसाधन केंद्र स्थापित किये जा रहे हैं। कार्ययोजना के तहत प्रत्येक बायो इनपुट संसाधन केंद्र के लिए 1 लाख रुपये का प्रावधान है, ताकि स्थानीय स्तर पर प्राकृतिक उर्वरक तैयार हो सके। अब तक 180 बायो इनपुट संसाधन केंद्र स्थापित हो चुके हैं। राज्य सरकार की यह पहल किसानों को आत्मनिर्भर बनायेगी, साथ ही स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित पर्यावरण और सतत् कृषि विकास की दिशा में राज्य को एक नई पहचान दिलाएगी।

जयपुर में बड़ी कार्रवाई: 700 किलो मिलावटी पनीर पकड़ा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में आमजन को मिलावट रहित शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान के तहत शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जयपुर में 700 किलो मिलावटी पनीर पकड़ा गया, जिसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया। खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह तथा संयुक्त आयुक्त डॉ. वी.पी. शर्मा के नेतृत्व में केंद्रीय दल के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने भट्टा बस्ती, शास्त्री नगर स्थित मेसर्स बरसाना पनीर भंडार के गोदाम पर निरीक्षण की कार्रवाई की। यहां 700 किलोग्राम मिलावट पनीर पकड़ा गया, जिसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया। मिलावटी पनीर का एक नमूना एक्ट के तहत लिया गया। बरसाना पनीर भंडार के मालिक मुस्ताक से मिली जानकारी के अनुसार अलवर से यह पनीर मंगाकर जयपुर के खुदरा पनीर विक्रेताओं को 200-220 के भाव से बेचा जाता जाता है। पनीर मालिक ने स्वयं पनीर के मिलावटी होने की पुष्टि की। कार्रवाई करने वाली टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र सिंह, लोकेश शर्मा एवं विनोद कुमार शर्मा शामिल रहे।

माइंस विभाग ने 7451.63 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह किया, गत वर्ष से 627 करोड़ अधिक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। माइंस विभाग ने वित्तीय वर्ष के अंतिम समय में राजस्व संग्रहण पर फोकस करते हुए अधिक से अधिक राजस्व संग्रहण की रणनीति तैयार की है। माइंस विभाग द्वारा चालू वित्तीय वर्ष में 21 जनवरी तक 7451 करोड़ 63 लाख रुपए का राजस्व संग्रहण किया है जो माइंस विभाग की इस अवधि तक का अब तक का सर्वाधिक राजस्व संग्रहण है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में राजस्व संग्रहण की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की और रणनीति तैयार कर अन्य कार्यों के साथ ही राजस्व वसूली पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इस समय तक माइंस विभाग 9 फीसदी विकास दर के साथ राजस्व वसूली में गत वर्ष के इसी समय तक के राजस्व संग्रहण में आगे चल रहा है। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने राजस्व संग्रहण की रणनीति की चर्चा करते हुए अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई में विभागीय

अधिकारियों द्वारा तैयार पंचनामों पर कार्रवाई करते हुए जुर्माना राशि वसूलने, आरसीसी - ईआरसीसी ठेकों पर रॉयल्टी वसूली की प्रभावी मोनेटरिंग के साथ ही समाप्त होने वाले रॉयल्टी वसूली ठेकों सहित शेष ठेकों की नीलामी, एसएमई स्तर पर राजस्व संग्रहण की नियमित समीक्षा, विश्लेषण व मार्गदर्शन, माइंस विभाग के वित अधिकारी स्तर पर नियमित समीक्षा व राजस्व वसूली में कमी वाले कार्यालयों से समन्वय व वसूली में तेजी लाने, पुरानी बकाया की वसूली और करन्ट बकाया की शतप्रतिशत वसूली के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि भले ही अभी तक गतवर्ष की इसी अवधि की तुलना में अधिक राजस्व वसूली हो रही हो पर इस तक ही नहीं रुक कर राजस्व संग्रहण के सभी संभावित क्षेत्रों से वसूली के कारगर प्रयास किये जाने हैं। निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 21 जनवरी तक 6824 करोड़ 54 लाख रुपए का राजस्व संग्रहित हुआ था जिसकी तुलना में इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में 627 करोड़ की अधिक वसूली के साथ 7451 करोड़ 63 लाख रुपए का राजस्व संग्रहित किया जा चुका है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि राजस्व संग्रहण की गति को और अधिक बढ़ाया जाएगा। बैठक में संयुक्त सचिव माइंस अरविन्द सारस्वत, वित अधिकारी सुरेश चन्द्र जैन, अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय महेश माथुर, विशेषाधिकारी श्रीकृष्ण शर्मा, अधीक्षण भूवैज्ञानिक एरियल सर्वे सुनील कुमार वर्मा, अधीक्षण खनि अभियंताओं में अजमेर जय गुरुबख्सानी, जयपुर विजिलेंस प्रताप मीणा, उदयपुर एसपी शर्मा, भीलवाड़ा ओपी काबरा, जोधपुर देवेन्द्र गौड़ एवं राजसमन्द जिनेश हुमड़ सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

गंणतत्र दिवस- 2026 के राज्य स्तरीय समारोह का एसएमएस स्टेडियम में हुआ पूर्वाभ्यास

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गणतंत्र दिवस समारोह— 2026 का राज्य स्तरीय आयोजन सोमवार को स्थानीय सवाई मानसिंह स्टेडियम में प्रातः 9:30 बजे होगा। 26 जनवरी को होने वाले इस राज्य स्तरीय समारोह का शनिवार को पूर्वाभ्यास किया गया। इस 'फुल ड्रेस रिहर्सल' में परेड, मार्च पास्ट और राजस्थान पुलिस के घुड़सवारों द्वारा प्रदर्शन के साथ-साथ आर्मी, पुलिस व स्कूली छात्र-छात्राओं के बैंड वादन तथा राजस्थानी नृत्य आदि का पूर्वाभ्यास किया गया। पूर्वाभ्यास परेड में मुख्य समारोह की भांति कमांडर नितिन चौधरी के नेतृत्व में हाड़ी रानी महिला बटालियन, चौदहवीं बटालियन आरएसी, एसडीआरएफ, जीआरपी, बॉर्डर होमगार्ड तथा अरबन होमगार्ड (पुरुष-महिला) यूनिट्स की एक-एक प्लाटून द्वारा भाग लिया गया।

समारोह में राज्य सरकार के विभिन्न 13 विभागों द्वारा झांकियों की प्रस्तुति की जाएगी। जिसमें सभी विभाग अपने-अपने क्षेत्र में हुए राज्य सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं और 'विकसित राजस्थान@2047' विजन और महत्वपूर्ण सफलताओं को प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल की गई। इसमे छात्र - छात्राओं ने देशभक्ति के साथ लोक नृत्य के माध्यम से प्रदेश के सुनहरे रंग की छटा बिखेरी। आर्मी, राजस्थान पुलिस, स्काऊटस एंड गाइड्स के अलावा स्कूली विद्यार्थियों ने संगीत की मधुर ध्वनि के साथ बैड़ वादन कर वातावरण में जोश भर दिया। के जवानों ने जर्मन ड्रिल में अपने बेहतरीन शारीरिक व फुर्ती का कौशल प्रदर्शन कर अपनी प्रैक्टिस को अंजाम दिया। आरएसी के जवानों द्वारा शस्त्रों के प्रदर्शन के साथ ही घुडसवारों द्वारा अद्त साहस और पराक्रम से भरे करतब ने दर्शकों को रोमांच से भर दिया।

बालिकाओं का सशक्तिकरण ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला - डॉ. राजेश डोगीवाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जयपुर जिला प्रशासन के तत्वावधान में सांगानेर स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बालिकाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही, जिससे आयोजन प्रेरणादायी एवं सार्थक बन गया। कार्यक्रम में महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा सक्षम जयपुर अभियान के तहत बालिकाओं को शिक्षित, सुरक्षित एवं सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बालिकाएं समाज की धुरी हैं और उनका सशक्तिकरण ही राष्ट्र के समग्र एवं सतत विकास की मजबूत आधारशिला है। डॉ. डोगीवाल ने बालिकाओं से आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, शिक्षा को प्राथमिकता देने तथा कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता को अपने जीवन का लक्ष्य बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सशक्त बालिका ही सशक्त परिवार, समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकती है।

इस अवसर पर उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा आर्थिक स्वावलंबन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है तथा पात्र बालिकाओं को इन योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती संगीता शर्मा ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि बालिका शिक्षा सामाजिक परिवर्तन की सबसे सशक्त कड़ी है। उन्होंने विद्यालय स्तर पर बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी।

लोकभवन में चार राज्यों का स्थापना दिवस समारोह, राज्यपाल बोले- "एक भारत श्रेष्ठ भारत"

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। लोकभवन में शनिवार को उत्तरप्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर राज्यों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इन राज्यों के राजस्थान में रहने वाले निवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए सभी को राष्ट्र निर्माण में सहभागिता निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उत्तरप्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री और सासंद डॉ. दिनेश शर्मा भी उपस्थित रहे। राज्यपाल बागडे ने कहा कि विविधता में एकता लिए हमारा देश "एक भारत श्रेष्ठ भारत" है। राज्यों के स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि विविधता में एकता की हमारी संस्कृति को हम उत्सव रूप में मनाएं। उन्होंने उत्तरप्रदेश को देश का सबसे बड़ा राज्य बताते हुए भारत के भाल रूप में इस राज्य की सांस्कृतिक विशेषताओं की चर्चा की। उन्होंने कहा कि अयोध्या का

राम लल्ला का मंदिर और कुंभ का ऐतिहासिक प्रयागराज मेला विश्व के बड़े आकर्षण है। राज्यपाल ने मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा को पूर्वोत्तर के प्रमुख राज्य बताते हुए इन राज्यों की जनजातीय और प्रकृति से जुड़ी संस्कृति को महत्वपूर्ण बताया। सासंद डॉ. दिनेश शर्मा ने उत्तरप्रदेश राज्य की विशेषताओं की चर्चा करते हुए कहा कि भारत का यह सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन केंद्र ही नहीं है, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से समृद्ध संपन्न और तेजी से विकास की ओर बढ़ता राज्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व में उत्तरप्रदेश में सभी के समान विकास को गति दी गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में सर्वाधिक उत्तरप्रदेश के निवासी हैं और उत्तरप्रदेश में राजस्थान के सर्वाधिक लोग निवास करते हैं। यह राज्य पड़ोसी राज्यों के साझा विकास का संवाहक है। इससे पहले राज्यपाल ने उत्तरप्रदेश, मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा राज्य के निवासियों से संवाद किया। यहां लोगों ने अपने अनुभव साझा किए। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

अमीन पठान खेल प्रकोष्ठ को कर रहे हैं मजबूत

-फारुक अफरीदी तथा लतीफ आरको का किया सम्मान

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। अमीन पठान राज्य अध्यक्ष-खेल प्रकोष्ठ, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव, राजस्थान से अच्छे वातावरण में हुई मुलाकात जिसमें अमीन पठान द्वारा प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत अध्यक्ष अब्दुल लतीफ आरको तथा पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी फारूक आफरीदी का शाल ओढ़ाकर किया सम्मान। अमीन पठान के नेतृत्व में खेल प्रकोष्ठ को मजबूती प्रदान करते हुए, मोहम्मद सलीम अफरीदी को महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई तथा आगे भी कर्मठ युवाओं की नियुक्तियों पर गौर किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि इस मौके पर अब्दुल लतीफ आरको ने अमीन पठान एवं नव नियुक्त महासचिव

मुहम्मद सलीम आफरीदी को बधाई दी और अमीन पठान से तेली समाज के युवाओं पर गौर करने की सलाह दी, जिस पर अमीन पठान द्वारा आश्वासन दिया गया है। अमीन पठान, फारूक आफरीदी, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव रशीद उज्जमा, फिरोज उस्मानी, रमजान फैजान एवं अब्दुल लतीफ की मौजूदगी में द्वारा नियुक्ति पत्र मुहम्मद सलीम आफरीदी को सौंपा गया, जिस पर सलीम आफरीदी ने तन्मयता से कार्य करने की बात कही है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

-राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी और जिला कलेक्टर ने बेटियों को किया सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शनिवार को डीडवाना-कुचामन जिला प्रशासन और महिला अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नगर परिषद कुचामनसिटी के सभागार में भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत द्वारा की गई। कार्यक्रम में राज्य मंत्री चौधरी व जिला कलक्टर डॉ. खड़गावत ने बालिकाओं से संवाद कर बालिकाओं को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व राज्य मंत्री विजय सिंह चौधरी ने कहा कि बेटियाँ हमारे समाज का गौरव हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान चलाकर बालिकाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य

के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत ने बालिकाओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जिला प्रशासन बालिकाओं के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को बेटों के समान अवसर प्रदान करें ताकि वे भविष्य में घर, परिवार और देश का नाम रोशन कर सकें। इस दौरान जिला कलक्टर डॉ. खड़गावत ने छात्राओं से संवाद कर कई सवालों के जवाब दिये। उन्होंने बालिकाओं से कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल कूद में भी रुचि लेनी चाहिए ।

प्रतिभाओं का हुआ सम्मान, राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् का हुआ गायन -

इस अवसर पर शिक्षा,खेल सहित अन्य विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 25 बालिकाओं और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने वाली 17 शिक्षिकाओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला अधिकारिता विभाग के अधिकारियों ने बेटी बचाओ व बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई और बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन भी किया गया।

कृषि यन्त्र मिलने पर कृषक दूलीचन्द के घर आई खुशी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार गिरदावर सर्किल काजीपुरा मे ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें अग्रिम दलों का गठन किया गया जिनके द्वारा कृषि विभाग से सम्बन्धित सभी संचालित योजनाओं का लाभ आम किसानों को दिये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। जिसमें प्रार्थी दूलीचन्द पुत्र रामचन्द्र कुमावत निवासी काजीपुरा ने कृषि विभाग में कृषि यन्त्र हेतु आवेदन किया था। शिविर में माननीय उपखण्ड अधिकारी ऋषिराज कपिल पर्यवेक्षण अधिकारी नयाब तहसीलदार सांभरलेक शिविर प्रभारी लक्ष्मीनारायण व सह प्रभारी सहायक कृषि अधिकारी के समक्ष परिवेदना रखी जिस पर सम्बन्धित कृषि अधिकारी श्रीमती हंसा गुर्जर कृषि पर्यवेक्षक श्रीमती रजना चैधरी को निर्देश दिये जिस सम्बन्धित अधिकारियों ने कार्यवाही करते हुये आवेदन स्वीकृत किया। जिस पर उक्त किसान ने अवगत कराया कि कृषि यन्त्र मिलने से कृषि कार्यो में बहुत सहायता प्राप्त होगी और घर पर खुशियां आएंगी। इस कारण उपस्थित सभी किसानों ने खुशी व्यक्त करते हुए इस प्रकार के शिविरो का आयोजन करने पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

RGHS योजना में अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई:

8 अस्पताल डी-एम्पेनल, 5 का TMS ब्लॉक, 11 फार्मेसियों को नोटिस

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (RGHS) को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है। साथ ही, योजना में अनियमितता करने वाले अस्पतालों, फार्मेसी स्टोर एवं लाभार्थियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। विगत एक माह में विभाग ने अभियान मोड में योजना के सुचारू संचालन के लिए जरूरी कदम उठाए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि विगत एक माह में 8 अस्पतालों एवं डायग्नोस्टिक सेंटर्स को डी-एम्पैनल किया गया है। साथ ही, 2 अस्पतालों का ट्रांजेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम (TMS) ब्लॉक किया गया है और उनके भुगतान भी रोके गए हैं। इसी प्रकार 3 अस्पतालों का TMS तीन माह के लिए बंद किया गया है। इन अस्पतालों द्वारा अनुचित तरीके से उपचार किए जाने एवं अनियमितताओं के मामले सामने आए थे। विभागीय जांच एवं आडिट में ये अनियमितताएं सामने आने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की गई है।

फार्मेसी से 8 लाख की वसूली, 23 लाख के नोटिस जारी:-

RGHS की परियोजना अधिकारी श्रीमती निधि पटेल ने बताया कि विगत एक माह में 2 प्रकरणों में अस्पतालों द्वारा लाभार्थियों से वसूली गई नकद राशि ₹2,82,044 पुनः लाभार्थियों को लौटाई गई। साथ ही, 11 फार्मेसियों को निलंबित किया गया है। जनवरी माह में फार्मेसियों से करीब 8 लाख रूपए की राशि की रिकवरी की गई है और करीब 23 लाख रूपए की राशि जमा कराने हेतु नोटिस जारी किए गए हैं।

7 डॉक्टरों पर कार्रवाई के लिए पत्र लिखा:-

इसी प्रकार योजना में गलत तरीके से लाभ लेने पर एक लाभार्थी के विरुद्ध कार्रवाई हेतु संबंधित विभाग को पत्र प्रेषित किया गया। अनुचित तरीके से उपचार किए जाने पर 2 डॉक्टरों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई (निलंबन) हेतु विभाग को पत्र भेजा गया है। इसके अतिरिक्त 5 चिकित्सकों के विरुद्ध भी विभागीय एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु पत्र जारी किए गए हैं। इसी प्रकार 12 डॉक्टरों को चेतावनी पत्र जारी किए गए हैं और 1 डॉक्टर की आईडी 6 माह के लिए ब्लॉक की गई है।

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि RGHS योजना में पारदर्शिता, अनुशासन एवं लाभार्थियों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। भविष्य में भी किसी भी प्रकार की अनियमितता पर त्वरित एवं सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमीन पठान का अंता आगमन पर किया स्वागत

अंता (रॉयल पत्रिका) । अंता में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले के अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आमीन पठान के अंता आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं, खेल प्रेमियों एवं युवाओं द्वारा पुष्पमालाओं एवं शाल ओढ़ाकर उनका गर्मजोशी से इस्तकबाल किया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे प्रदेशाध्यक्ष आमीन पठान ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, एकता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव खिलाड़ियों के सम्मान, संरक्षण और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध रही है तथा खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने हेतु हर

स्तर पर सहयोग करती रहेगी। इस अवसर पर केकेसी के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान खान, जाकिर मंसूरी उपाध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी, मुस्तफा खान पूर्व चेयरमैन अंता, अशरफ देशवाली, हाजी रसूल मोहम्मद, मल्लू भाई, शाहिद कुंडी पूर्व जिलाध्यक्ष काँग्रेस अल्पसंख्यक विभाग, शाहिद इकबाल भाटी जिलाध्यक्ष कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ, सत्येन्द्र कुमार गोयल प्रदेश सचिव खेल प्रकोष्ठ, महेंद्र कुमार योगी, मुजाहिद खान, दानिश खान, शेरू खान, शेख आरिफ अनवर, तारिक मोहम्मद, बुंदू अंसारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन, खिलाड़ी एवं खेल प्रेमियों उपस्थित रहे।

पाली में आस्था का कुंभ आरंभ, साधना, यज्ञ, भैरव कथा में उमड़े श्रद्धालु

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। अंचल की खुशहाली, समृद्धि के लिए कृष्णागिरी पीठाधीश्वर जगद्रू वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज की पावन निश्रा में पाली के अणुव्रत नगर ग्राउंड पर शनिवार को नौ दिवसीय आध्यात्मिक कुंभ का शुभारंभ पौराणिक परम्परा और विधि विधान से हुआ। प्रातः से ही साधना शिविर स्थल के बाहर श्रद्धालुओं की कतारें लगना शुरू हो गई थी। जैसे ही ढोल नगाडों के साथ जगद्रू देव का आगमन हुआ, महोत्सव परिसर गुरूदेव की जयजयकार से गूंज उठा। गुरूदेव वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज द्वारा साधना स्थल पर विराजित देवी देवताओं की पूरे विधान के साथ पूजा अर्चना की। इस के बाद साधना में उपस्थित श्रद्धालुओं को साधना के रहस्यों के बारे में बताया गया। कई श्रद्धालुओं के हाथों में समृद्धि को आकर्षित करने वाले जीबू कॉइन, पायरेट लक्ष्मी यंत्र थे, जिन्हें सिद्ध करने की प्रक्रिया आरंभ की गई। गुरूदेव द्वारा उच्चारित मंत्रों का महत्व बताया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं को कष्ट निवारक चमत्कारी उपाय भी गुरुदेव ने बताये। दोपहर पश्चात जगद्रू वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज द्वारा काशी के 51 पंडितों की उपस्थिति में महालक्ष्मी महायज्ञ विधि विधान से आरंभ करवाया गया। यज्ञ की प्रत्येक आहुति गुरूदेव के श्रीमुख से उच्चारित दुर्लभ मंत्रों के साथ दी जा रही थी। यज्ञ में विधि अनुसार समस्त

देवी देवताओं का आव्हान किया गया। करीब ढाई घंटे तक प्रथम दिवस का यज्ञ चला। गाय के शुद्ध देसी घी, लाल, पीले, सफेद चंदन, ओषधियों, दुर्लभ जड़ी बूटियों, जिन देवता को जो पसंद है उस सामग्री सहित दिव्य वस्तुओं की हजारों आहुतियां दी गई। रात्रि में गुरूदेव के श्रीमुख से श्रद्धालुओं ने तन्मय होकर भैरव कथा का श्रवण किया।

समृद्धि कलश आकर्षण का केंद्र–

यज्ञ शाला में समृद्धि को आकर्षित करने वाले 1008 समृद्धि कलश आकर्षण का केंद्र हैं। यह कलश नवरात्रि महा महोत्सव यज्ञ अनुष्ठान इंदौर और उदयपुर में करोड़ों आहुतियों और लाखों कुंकुमार्चन से सिद्ध हैं। कलश के भीतर 32 उपरत्न, 32 हीलिंग जेम स्टोन, पंच धातु के साथ नव रत्न, 154 दुर्लभ औषधियां, 11 करोड़ मंत्रों से सिद्ध दिव्य पंचमुखी रुद्राक्ष, 1 करोड़ जप से सिद्ध कुमकुम, दक्षिणवर्ती शंख, रत्न का कछुआ, स्फटिक श्री यंत्र, कुबेर यंत्र, वास्तु यंत्र, लक्ष्मी यंत्र, गोमती चक्र, विष्णु चक्र, कस्तूरी, गोरोचन, दस लाख आहुति से सिद्ध दिव्य भस्म, रक्षा पोटली, वास्तु पिरामिड, आदि वस्तुएं हैं। यह कलश लक्ष्मी महायज्ञ में पुनः सिद्ध हो रहे हैं।

पांडाल में अष्ट भैरव और मां लक्ष्मी के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन–

कथा पांडाल में भैरव के अष्ट रुपों और मां लक्ष्मी, पद्मावती के विभिन्न स्वरूपों की विशाल प्रतिमाएं श्रद्धालुओं को मोह रही हैं।

कई राज्यों से जुटने लगे भक्त-

नौ दिवसीय आध्यात्मिक महोत्सव में शामिल होने विभिन्न राज्यो से भक्तों के आने का सिलसिला जारी है। राजस्थान के दूरदराज क्षेत्रों के अलावा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात आदि राज्यों से भक्त परिवार आये हैं और यह सिलसिला जारी है। लगातार इस दिव्य भव्य महोत्सव में भीड़ जुटती जा रही है।

30 जनवरी को सजेगी शब्दों की महफ़िल

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/बीझबायला (रॉयल पत्रिका)। संयुक्त व्यापार मण्डल बीझबायला के तत्वाधान में शहीद दिवस के उपलक्ष पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है । व्यापार मण्डल अध्यक्ष मैनाराम गोदारा ने बताया कि ये बीझबायला के इतिहास में पहली बार होने जा रहा जिससे क्षेत्र में शब्द व भाव की वृद्धि होगी भाग दौड़ भरी इस जिंदगी में नीरसता से पुन: रस लौटेगा गोदारा ने बताया इस सम्मेलन में 9 कवियों को आमंत्रित किया गया है जिसमें गौरव गौरवान्वित (ओज) लवलेश यदुवंशी (ओज) निर्भय निश्छल (हास्य) सरोज सरगम(श्रृंगार रस) जो कि उत्तर प्रदेश से आ रहे हैं एवं क्षेत्रीय कवियों में दीप गगन पारीक, मांगीलाल बावरा, मदन गोपाल अलौकिक, जोगा भागसरिया, प्रियका वर्मा अपने शब्दों का रंग जमाएंगे। ये कवि सम्मेलन 30 जनवरी को राजवंशी मैरिज गार्डन बींझबायला में दोपहर 12:15 बजे होगा। गोदारा ने सभी व्यापारियों व क्षेत्र में साहित्य में रुचि रखने वाले समस्त शब्द प्रेमियों को पहुंचने का आह्वान किया है।

दावते इस्लामी इंडिया के वेलफेयर डिपार्टमेंट ने कीए कंबल वितरण

मोहम्मद अली पठान

सादुलपुर (रॉयल पत्रिका)। गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन कि तरफ से सादुलपुर रेल्वे स्टेशन और बस स्टेण्ड पर गरीब बे सहारा जरुरतमंदो को कंबल बांटे गये। इमाम वसीम रजा साहब ने बताया कि गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन कि तरफ से सर्दियों में कंबले बाटना, गर्मियों में ठण्डा पानी पिलाना, वर्क्षारोपण करना, बल्ड कैम्प लगाना, हॉस्पिटल में मरिजों में फल वितरण करना, रमजान में गरीबों को राशन किटे बाटना यह काम करते रहते हैं । इस मोके पर शैख असलम अत्तारी, अय्युब अत्तारी, इस्पाक बैग, बिलाल अत्तारी आदि साथ रहे।

नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र पर कंबल वितरण

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र पर सराफ फाउंडेशन बेंगलुरु के आर्थिक सहयोग व इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी जिला शाखा चूरू के तत्वावधान मे छात्रावास हेतु 60 कंबल दिये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सराफ फाउंडेशन के प्रतिनिधि जगदीश प्रसाद सराफ व विशिष्ट अतिथि रेड क्रॉस के सचिव रघुनंदन शर्मा, कोषाध्यक्ष बालकृष्ण बंशिया, सदस्य जगदीश शर्मा व शांतनु अग्रवाल थे। नर्सिंग अधिक्षक बजरंग हर्षवाल ने अपने उद्बोधन में सराफ फाउंडेशन व रेड क्रॉस द्वारा जनहित में किये जा रहे निरन्तर सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए इस पुण्य कार्य के लिए साधुवाद दिया। जगदीश शर्मा ने सराफ फाउंडेशन व रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा किए जा रहे बहुमुखी कार्यों की जानकारी दी। सचिव रघुनंदन शर्मा ने निरन्तर सेवा कार्य करते रहने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर नर्सिंग केन्द्र की दिव्या चौधरी, विवेक थालोड़, महेंद्र गोपाल शर्मा, सुनीता प्रजापत, मंजू कालेर, कृष्णा व सरीता ख्यालियां ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत व आभार व्यक्त किया। संचालन बजरंग हर्षवाल ने किया।

पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के तत्वाधान में भारत रत्न एवं पिछड़ा वर्ग के मसीहा स्वतंत्रता सेनानी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की 103 वीं जंयती पर जिला कांग्रेस मुख्यालय पर ओबीसी विभाग के जिलाध्यक्ष गोविंद बंजारा की अध्यक्षता में कर्पूरी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर व विचार गोष्ठी आयोजित कर मनाई गई। इस दौरान जिला ओबीसी विभाग के जिलाध्यक्ष गोविंद बंजारा ने कहा कि भारत रत्न, जननायक कर्पूरी ठाकुर का पिछड़े वर्ग और वंचितों के अधिकारों के लिए उनका संघर्ष और सामाजिक न्याय के लिए उनका सशक्त नेतृत्व और योगदान हम सभी का हमेशा मार्गदर्शन करता रहेगा, उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भी बढ़चढ़कर अपनी सक्रिय भूमिका निभाई

थी। उनके योगदान के लिए उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया, जो पूरे देश के लिए गर्व की बात है। इस दौरान उपस्थित कांग्रेस जनों को संबोधित करते हुए कांग्रेस के प्रदेश प्रतिनिधि महावीरसिंह सुकरलाई, पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हकीम भाई एवं ओबीसी शहर अध्यक्ष रमेश परिहार ने कर्पूरी ठाकुर की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मेहबूब भाई टी, प्रकाश सांखला, ताराचन्द टांक, ताराचन्द चन्दनानी, दिनेश दवे, मनीष पंवार, आमीन अली रंगरेज, रतन चन्देल, साबीर अशरफी, सेन समाज के अध्यक्ष सम्पत सेन, इरफान पठान, किशनलाल चौहान, नर्मदा बंजारा, ओखाराम राठौर, जगदीश सहित सेकड़ो कांग्रेसजन एवं ओबीसी विभाग के कार्यकर्ता मौजूद थे।

रेहना रियाज़ चिश्ती को एआईसीसी ने उत्तर प्रदेश राज्य की ऑब्ज़र्वर की जिम्मेदारी सौंपी

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय से रेहना रियाज चिश्ती सचिव अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सह प्रभारी महाराष्ट्र को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा के साथ करते हुए कांग्रेसी शीर्ष नेतृत्व ने संगठन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत एआईसीसी द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य के एआईसीसी ऑब्ज़र्वर की जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी द्वारा निरंतर विभिन्न राज्यों में कार्यो को देखते हुए। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं एआईसीसी संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल का कांग्रेसजन ने आभार व्यक्त किया। रेहाना रियाज ने कहा में आपको

विश्वास दिलाती हूँ कि पार्टी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करूंगी। कांग्रेस पार्टी को और अधिक मजबूती प्रदान करने का हर संभव प्रयास करूंगी। चूरू कांग्रेस ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

महुवा किले वाली देवी मंदिर के पास राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा पोल का किया निरीक्षण

-विधायक राजेंद्र मीणा द्वारा कर दिए आवश्यक निर्देश

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड मुख्यालय के प्राचीन के किले स्थित किले वाली देवी मंदिर परिसर मैं तिरंगे राष्ट्रीय ध्वज को पोल पर स्थापित करने को लेकर विधायक राजेंद्र मीणा द्वारा चल रहे कार्य को निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अधिशासी अधिकारी राजेश कुमार मीणा ने बताया कि किले वाली देवी मंदिर, महवा पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के निर्माण कार्य का विधायक राजेंद्र मीणा ने अधिकारियों के साथ मौके पर अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि तिरंगा केवल कपड़ा नहीं, यह हमारे बलिदान, सम्मान और भारत माता के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक है। जब यह तिरंगा लहराएगा, तो हर नागरिक के हृदय में देशभक्ति

का भाव और अधिक प्रबल होगा। उन्होंने अधिशासी अधिकारी राजेश कुमार मीणा को कार्य की गुणवत्ता और गरिमा बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर पालिका अधिशासी अधिकारी राजेश मीणा, कनिष्ठ अभियंता पृथ्वीराज गुर्जर, गोपुत्र सेना के राष्ट्रीय सचिव गौ पुत्र अवधेश अवस्थी, सफाई निरीक्षक राम लखन गुर्जर, जेसीबी ऑपरेटर मोहित सैनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

भाजपा सरकार ओबीसी जनगणना की स्पष्ट घोषणा की तारीख निर्धारित करें- रामेश्वर प्रजापति

चुरु (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जाति जनगणना को लेकर कांग्रेस के जिला प्रवक्ता एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति ने बताया कि अन्य पिछड़ा वर्ग के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार की नियत पर भरोसा नहीं हो रहा है अब जो गणना होने की घोषणा की है उसमें अनुसुचित जाति जनजाति की गणना तो कांलम बिन्द में अंकन है परन्तु ओबीसी का अंकन नहीं होना इस वर्ग के साथ अन्याय है जबकि कहा यह जा रहा कि इस गणना के बाद अलग से ओबीसी की गणना करवाई जाएगी। जैसा कि बिहार चुनाव में बीजेपी पार्टी के द्वारा ये थोथी घोषणा की थी और मात्र इस वर्ग के वोट हथियाने के अतिरिक्त और कुछ नहीं था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के इस टालम टोल रवैया से अन्य पिछड़ा वर्ग में घोर असंतोष है हमारी पार्टी कांग्रेस का यह आरोप है कि भाजपा सरकार 2029 का चुनाव ओबीसी की बिना जनगणना के ही करवाना चाहती है इस सम्बन्ध में स्पष्ट घोषणा भाजपा सरकार को करनी चाहिए।

अमृत महोत्सव में नारी सशक्तिकरण लिबास के रंग खिलने के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ रंगारंग समापन, बालिकाओं को मिला सम्मान

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन द्वारा महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक सशक्तिकरण एवं महिला उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक एवं अभिनव पहल अमृत महोत्सव 2026 के तहत शनिवार को फैशन शो का आयोजन किया गया। साथ ही राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। महोत्सव का शुभारंभ 21 जनवरी को राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास विभाग डॉ. मंजू बाघमार के मुख्य आतिथ्य में किया गया था।

कृषि उपज मंडी प्रांगण के शेड में आयोजित अमृत महोत्सव कार्यक्रम में फैशन शो के दौरान बालिकाओं व महिलाओं ने विभिन्न कलात्मक वस्त्र धारण कर रैम्प पर केटवॉक करते हुए प्रदर्शन किया। आकर्षक प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियां बजाकर सराहना की। इस दौरान राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शिक्षा व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी महावीर हाड़ा रहे। कार्यक्रमों का आयोजन जिला ब्रांड एंबेसडर 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' डॉ. सुधीरा के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत जिले की बालिकाओं द्वारा प्रभावशाली मार्शल आर्ट प्रदर्शन से हुई। इस प्रदर्शन से आत्मरक्षा, अनुशासन एवं आत्मविश्वास का सशक्त संदेश दिया गया। इसके पश्चात शैक्षणिक उपलब्धियों

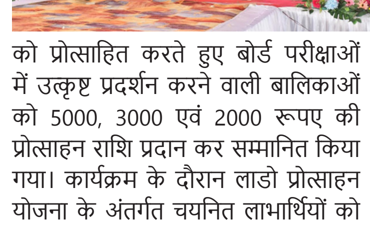

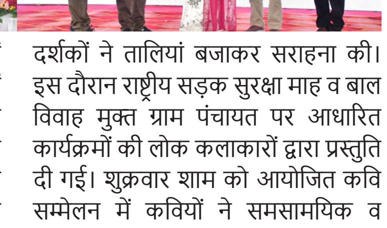

को प्रोत्साहित करते हुए बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को 5000, 3000 एवं 2000 रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लाडो प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों को बेबी किटों का वितरण अतिथियों द्वारा किया गया। इस योजना के माध्यम से बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहित करने तथा उनके प्रारंभिक पोषण एवं देखभाल को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में मंच संचालक सहायक आचार्य डॉ. हेमलता वैष्णव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। गौरतलब है कि जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर के मार्गदर्शन में आयोजित महोत्सव के दौरान प्रथम दिवस लोक नृत्य का आयोजन किया गया। जिसमें लोक कलाकारों ने मनभावन नृत्य प्रस्तुतियां दी। अगले दिन लोक गायन के कार्यक्रम में बाल प्रतिभाओं व युवाओं ने मीठे स्वरों में गायन की प्रस्तुतियां दी। बाल गायक नवांश गौतम, पृथ्वी सिंह, लक्ष्मी रावल सहित श्याम मनोहर नामा आदि की प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियां बजाकर सराहना की। इस दौरान राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह व बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत पर आधारित कार्यक्रमों की लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई। शुक्रवार शाम को आयोजित कवि सम्मेलन में कवियों ने समसामयिक व महिला जागरूकता पर आधारित काव्य प्रस्तुतियां दी। राजस्थानी साहित्य के विद्वान एवं साहित्य अकादमी पुरस्कृत कवि रामस्वरूप किसान (हनुमानगढ़), गजलकार डॉ. इज़हार गंगानगरी, डॉ. सुरेन्द्र यादवेंद्र, पुष्पराज पुष्प, बच्छराज राजस्थानी, भैरवलाल भास्कर, मेवाराम चौधरी सहित अन्य कवि एवं कवयित्रियों ने सशक्त प्रस्तुतियां दी। राजसखी एवं अमृत महोत्सव मेले में विभिन्न स्टॉल्स भी लगाए गए। जिसमें महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, खाद्य पदार्थ, परिधान एवं अन्य उत्पादों के प्रदर्शन एवं बिक्री की सुविधा उपलब्ध कराते हुए महिलाओं की आय में वृद्धि का अवसर व स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराया गया।

हमीद मेवाती के शपथ ग्रहण समारोह में हिण्डौन से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

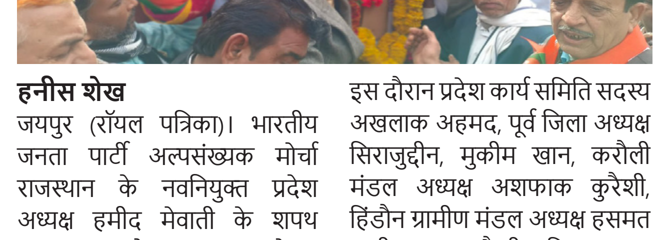

हनीस शेख

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हमीद मेवाती के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन जयपुर में हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। इस अवसर पर हिण्डौन शहर से भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अल्लानूर खान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जयपुर पहुंचे और प्रदेश अध्यक्ष का गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया। जिला महामंत्री अतीक खान ने जानकारी देते हुए बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए जिले भर से भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ता बसों के माध्यम से जयपुर पहुंचे। समारोह में कार्यकर्ताओं ने संगठन के प्रति अपनी एकजुटता और प्रतिबद्धता का परिचय दिया। इस दौरान प्रदेश कार्य समिति सदस्य अखलाक अहमद, पूर्व जिला अध्यक्ष सिराजुद्दीन, मुकीम खान, करौली मंडल अध्यक्ष अशफाक कुरैशी, हिंडौन ग्रामीण मंडल अध्यक्ष हसमत अली, इरफान सैफी सहित लगभग 60 से 70 कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कार्यालय, जयपुर पहुंचकर प्रदेश अध्यक्ष हमीद मेवाती का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अखलाक अहमद, पूर्व भाजपा अध्यक्ष जावेद अली खान अंसार, जिला सचिव मोहम्मद उमेश, इकरार वकील साहब सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

पूर्व सभापति महनसरिया का जन्मदिन केक काट कर मनाया गया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पूर्व सभापति नगर परिषद चूरू गोविंद महणसरिया का जन्मदिन मनाया गया। जिसमें बाजार के गणमान्य जन ओर शहर के प्रतिष्ठजन उपस्थित रहे व फूल माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया और केक काटकर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर महनसरिया ने आए हुए सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। जिसमें इदरीश खान, माजिद खान,एडवोकेट संतोष कुमार, अयूब खान मलवाण, राजू सिंधी, ईदु खान, मुकेश कुमार, मोहम्मद अली खान, लियाकत कुरैशी, राजू सैनी आदि उपस्थित रहे।

नौकरीपेशा व कारोबारियों को आयकर के मोर्चे पर भी राहत दे सकती है सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। आम बजट को लेकर केंद्र सरकार की तरफ से तैयारियां अंतिम दौर में हैं। माना जा रहा है कि बजट में आर्थिक सुधार और विकास पर केंद्रित होगी, लेकिन इसके साथ ही, केंद्र सरकार नौकरीपेशा व कारोबारियों को आयकर के मोर्चे पर भी थोड़ी राहत दे सकती है। संभावना जताई जा रही है कि आयकर व्यवस्था के तहत दो तरह के बदलाव किए जा सकते हैं। पहला, न्यू टैक्स रिजीम के तहत मानक कटौती को बढ़ाया जा सकता है। दूसरा, 30 प्रतिशत कर स्लैब में बदलाव किया जा सकता है। नई आयकर व्यवस्था के तहत मौजूदा समय में 75 हजार रुपये की मानक कटौती मिलती है, जिसके बाद 12.75 लाख तक की सालाना आय पर कोई कर नहीं लगता है। संभावना जताई जा रही है कि सरकार इसकी सीमा को बढ़ाकर एक लाख कर सकती है, जिसके बाद 13 लाख तक की सालाना आय पर कोई कर नहीं लेगा। इससे नौकरीपेशा लोगों को लाभ मिलेगा। वहीं, अभी तक टैक्स स्लैब के हिसाब से सालाना 24 लाख रुपये से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत का इनकम टैक्स लगता है, जिसको लेकर आम लोगों और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों की तरफ से सरकार को सुझाव दिया गया।

रिलायंस ने 16 सहायक कंपनियों का किया विलय

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपने कारोबार में बड़ा बदलाव किया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 16 स्टेप-डाउन पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनियों को अपनी क्लीन-एनर्जी शाखा, रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड में मिला दिया है। यह विलय 21 जनवरी 2026 से प्रभावी हो गया है। रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड के अंतर्गत विलय की गई कंपनियों में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रोलाइज़र निर्माण, एनर्जी स्टोरेज, कार्बन फाइबर सिलेंडर, हाइड्रोजन फ्यूल सेल और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं से जुड़ी इकाइयां शामिल हैं। इनमें रिलायंस पावर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, रिलायंस इलेक्ट्रोलाइजर मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड, रिलायंस ग्रीन हाइड्रोजन एंड ग्रीन केमिकल्स लिमिटेड, रिलायंस न्यू एनर्जी स्टोरेज लिमिटेड, रिलायंस हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलिसिस लिमिटेड, रिलायंस हाइड्रोजन फ्यूल सेल लिमिटेड, कच्छ न्यू एनर्जी प्रोजेक्ट्स लिमिटेड सहित कालंबोली स्थित तीन इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां भी शामिल हैं। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 18,540 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। कंपनी ने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती, उपभोक्ता उत्पाद कारोबार के अलग होने और त्योहारों की खरीद दो तिमाहियों में बंट जाने के कारण खुदरा कारोबार की आय में वृद्धि सीमित रही। हालांकि, ऊर्जा और डिजिटल कारोबार में मजबूत मार्जिन से मिले लाभ ने इस असर की काफी हद तक भरपाई कर दी।

अज़ीम प्रेमजी विवि में पोस्टग्रैजुएट डिप्लोमा प्रोग्रैम में प्रवेश शुरू

बेंगलूरु, एजेंसी। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में शिक्षक व शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे पेशेवरों के लिए स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्रैम में प्रवेश शुरु हो गए हैं।यह डिप्लोमा प्रोग्रैम अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के बेंगलूरु कैंपस में होगा। 2026 के प्रवेश के लिए तिथियाँ निम्नानुसार हैं, आवेदन की आख़िरी तारीख़ 12 फरवरी 2026, साक्षात्कार फरवरी 2026, कक्षाओं की शुरुआत 1 मार्च 2026 ऊपर दी गई तिथियों में कोई भी बदलाव हो सकता है। प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए मोबाइल- 8971889988 संपर्क कर सकते हैं स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्रैम में, आरंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, शैक्षणिक मूल्यांकन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, लर्निंग डिसाब्लेटी वाले बच्चों का पढ़ाने में स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्रैम की रूपरेखा- यह एक साल का पार्ट-टाइम स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रोग्रैम है। यह प्रोग्रैम सैद्धांतिक और व्यावहारिकपक्षों को ऑनलाइन और ऑफ़लाइन, इन दोनों तरीकों से साथ में सिखाया जाता है।यह प्रोग्रैम, सामान्य स्कूल सिस्टम में काम करने वालेउच्च स्तरीय पेशेवरों और शिक्षकों के लिए बनाया गया है। इस प्रोग्रैम की लचीली तासीर की वजह से कामकाजी पेशेवर अपना काम जारी रखते हुए भी इसमें प्रवेश लेकर सीख सकते हैं।

एएसएफइनसिग्निया ने अल्फा अल्टरनेटिव्स से 1,250 करोड़ पूंजी की प्रतिबद्धता हासिल की

संस्थागत पूंजी से बैलेंस शीट मजबूती होगी और गुरुग्राम कैंपस में दीर्घकालीन परिसंपत्ति वृद्धि को मदद मिलेगी

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम की वत्सल वैली में रणनीतिक रूप से स्थित और दक्षिण दिल्ली, फरीदाबाद और गुरुग्राम सीबीडी के साथ अच्छा संपर्क रखने वाले एक विशाल एकीकृत वाणिज्यिक आईटी कार्यालय कैंपस एएसएफ इनसिग्निया ने मुंबई मुख्यालय वाले अल्फा अल्टरनेटिव्स से करीब 1,250 करोड़ रुपये के इक्विटी और अर्ध-इक्विटी निवेश की प्रतिबद्धता हासिल की है।

यह सौदा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली कार्यालय रीयल एस्टेट संपत्तियों में सतत संस्थागत रुचि परिलक्षित करता है।

यह निवेश कई हिस्सों में किया जाएगा जिसमें से करीब 450 करोड़ रुपये का पहला हिस्सा पहले ही प्राप्त हो चुका है। इस पूंजी का उपयोग ऋण में कमी के जरिए एएसएफ इकाइयों के पूंजी ढांचे में सुधार के लिए किया जाएगा। इससे लक्षित आधारभूत ढांचे और सुविधाओं को अपग्रेड करने, रिफाइनमेंट्स के निर्माण और पूरे कैंपस में अनुभवों को बढ़ाने में मदद मिलेगी। इसका उद्देश्य लीजिंग की गति में जान फूंकना और इस संपत्ति को एक दीर्घकालीन प्रमुख वाणिज्यिक कार्यालय परियोजना के तौर पर पुनर्स्थापित करना है।

इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए एएसएफ इनसिग्निया के श्री अनिल सराफ ने कहा, अल्फा अल्टरनेटिव्स की ओर से यह निवेश एएसएफ इनसिग्निया के दीर्घकालीन आधारभूत सिद्धांतों और एक संस्थागत संचालित कार्यालय पारितंत्र के निर्माण की हमारी रणनीति को मजबूती प्रदान करता है। हमारा ध्यान बैलेंस शीट, संपत्ति की गुणवत्ता को मजबूत करने और एक ऐसे कैंपस का निर्माण करने पर केंद्रित है जो बड़े उपक्रमों और वैश्विक क्षमता वाले केंद्रों की उभरती जरूरतों को किफायती लागत के आधार पर निरंतर पूरा करे। अल्फा अल्टरनेटिव्स के श्री कौशल बियानी ने कहा, अल्फा अल्टरनेटिव्स के दीर्घकालीन मूल्य सृजन के दर्शन, कठोर जोखिम प्रबंधन और पूरे बाजार चक्रों में सतत निष्पादन की तर्ज पर हम एएसएफ इनसिग्निया टीम के साथ साझीदारी को लेकर गौरवान्वित हैं क्योंकि वे वृद्धि के अगले चरण में प्रवेश करने जा रहे हैं। हमें व्यापक स्तर के करीब 45 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैले एक उच्च गुणवत्ता की कार्यालय संपत्ति में निवेश करते हुए खुशी है और हम श्री सराफ और एएसएफ इनसिग्निया टीम के साथ

काम करके एएसएफ इनसिग्नियाकांप्लेक्स को पुनर्जीवित करने की दिशा में काम करेंगे। यह परियोजना गुणवत्ता और मूल्य का एक आकर्षक मिश्रण प्रस्तुत करती है और हम अग्रणी ऑफिस यूज़र्स के साथ गठबंधन को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि एएसएफ इनसिग्निया गुरुग्राम में एक भविष्योन्मुखी, एकीकृत कार्यालय परिसर के तौर पर उभर रही है। इस साझीदारी से पूर्व एएसएफ इनसिग्निया ने जेपी मॉर्गन के साथ संस्थागत गठबंधन किया था जिसने ढाई गुना रिटर्न दिया और यह दीर्घकालीन पूंजी निवेश के बल पर वृद्धि के एक नए चरण का प्रतीक है।

टैक्स प्रोडक्ट के तौर पर नहीं

डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड ने ईएलएसएस को एक अनुशासन टूल के तौर पर पेश किया

मुंबई, एजेंसी। यह सही है कि भारतीय इंवेस्टर्स के पास पहले से कहीं ज़्यादा इक्विटी प्रोडक्ट का ऐक्सेस है, लेकिन बाज़ार साइकल के ज़रिए इंवेस्ट करना एक चुनौती बनी हुई है। डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड ने एक ऐसे परिप्रेक्ष्य की ओर संकेत किया है जो इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) को मुख्य रूप से टैक्स-सेविंग उपकरणों के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे प्रोडक्ट के रूप में दिखाता है जो लंबे समय तक इंवेस्टिग में व्यवहार संबंधी दूरी को कम करने में सहायता कर सकते हैं।

इंवेस्टर्स के बढ़ते सेगमेंट के लिए सेक्शन 80ष्ट के तहत टैक्स संबंधी विचार का कोई अर्थ नहीं होने के कारण ईएलएसएस ने हालिया बरसों में माइंडशेयर में कमी देखी है। हालाँकि, डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड का मानना है कि टैक्सेशन के अतिरिक्त कारणों के बावजूद ईएलएसएस की संरचनात्मक विशेषताएँ, विशेष रूप से अनिवार्य तीन साल का लॉक-इन, प्रासंगिकता बनाए रखते हैं। डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड के हेड कंज़्यूमर ग्रोथ मार्केटिंग, मनीष राठी ने कहा, इंवेस्टर्स के परिणाम अक्सर प्रोडक्ट सिलेक्शन से कम और व्यवहार से ज़्यादा प्रभावित होते हैं। अस्थिरता की अवधि में, इंवेस्टर्स जल्दी बाहर निकलते हैं, गति का पीछा करते हैं या बाज़ार की शॉर्ट-टर्म उठा-पटक का जवाब देते हैं। ईएलएसएस की लॉक-इन सुविधा इंवेस्टर्स को साइकल के ज़रिए इंवेस्ट करने के लिए प्रोत्साहित करके इन रुझानों को कम करने में मदद कर सकती है। डीएसपी के इंटरनल डेटा से यह संकेत मिलता है कि डिजिटल, डू-इट-योरसेल्फ़ इक्विटी इंवेस्टर्स के लिए औसत होल्डिंग अवधि लगभग 2.5 वर्ष है, जो आम तौर पर लॉन्ग-टर्म धन के सृजन के लिए ज़रूरत से कम है। इस संदर्भ में, ईएलएसएस अपने वैधानिक तीन साल के लॉक-इन और विविध इक्विटी एक्सपोज़र के साथ निर्माण और ऐतिहासिक परिणामों के संदर्भ में एक फ़्लेक्सिकैप-स्टाइल इक्विटी प्रोडक्ट की तरह काम करता है, जबकि लागू किया गया इंवेस्टमेंट अनुशासन का एक तत्व जोड़ता है। राठी ने कहा, यह ईएलएसएस को आज के इंवेस्टर के वातावरण के लिए प्रासंगिक बनाता है। जब स्वाभाविक झुकाव शॉर्ट-टर्म बाज़ार मूवमेंट पर प्रतिक्रिया करना है, तो एक प्रोडक्ट संरचना जो इंवेस्टर्स को लंबे समय तक इंवेस्ट करते रहने के लिए प्रेरित करती है।

न्युवोको विस्टास ने भारत मे प्रीमियम डेकोरेटिव कॉंक्रीट रेंज आर्टिस्ट एलीट कलेक्शन लॉन्च की

मुंबई, एजेंसी। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की भरोसेमंद बिल्डिंग मटीरियल कंपनी, ने अपने आर्टिस्ट डेकोरेटिव कॉंक्रीट

पोर्टफोलियो के तहत एक नई प्रीमियम रेंज, न्युवोको आर्टिस्ट एलीट कलेक्शन लॉन्च करने की घोषणा की है। आधुनिक निर्माण और लैंडस्केपिंग प्रोजेक्ट्स के लिए विकसित, एलीट कलेक्शन कलात्मक समझ को तकनीकी सटीकता के साथ जोड़ता है।

यह रेंज चार आधुनिक, इस्तेमाल के लिए तैयार डेकोरेटिव कॉंक्रीट फिनिश पेश करती है जो विश्वसनीय प्रदर्शन देते हुए खूबसूरती को बढ़ाती हैं। इसमें रिफाइंड टेक्सचर, आधुनिक पैटर्न और नेचुरल कलर रंग पैलेट्स हैं, जो वॉकवेज, ड्राइववे, लैंडस्केप एरिया, पोडियम और प्रीमियम आउटडोर और सेमी-आउटडोर जगहों के लिए बहुत उपयुक्त है। हर डिजाइन उच्च-गुणवत्ता वाली फिनिश और सरफेस डिटेलिंग के साथ तैयार किया गया है जो गहराई, बनावट और मटीरियल के कैरेक्टर को उजागर करता है, जिससे प्रोजेक्ट्स में एकरूपता सुनिश्चित होती है और डिजाइनरों और स्पेसिफायर्स को क्रिएटिव लचकता मिलती है। चिराग शाह, हेड, मार्केटिंग, इनोवेशन और सेल्स एक्सीलेंस, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि न्युवोको आर्टिस्ट एलीट कलेक्शन सोच-समझकर, डिजाइन-आधारित सॉल्यूशंस पर हमारे फोकस को दर्शाता है। यह रेंज खूबसूरती, सस्टेनेबिलिटी और इस्तेमाल में आसानी को जोड़ती है, जिससे ग्राहक आत्मविश्वास के साथ खास जगहें बना सकते हैं। एलीट कलेक्शन आर्टिस्ट की एक प्रीमियम डेकोरेटिव कॉंक्रीट ब्रांड के रूप में स्थिति को मजबूत करता है।

वाहनों और डीजल जनरेटरों में ईंधन की बचत और प्रदूषण कम करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। एएचओडीएस टेक्नोलॉजीज का स्वदेशी हाइड्रोजन डुअल फ्यूल किट (एचडीएफके), जिसे कंपनी ने पेटेंट भी कराया है, वाहनों और डीजल जनरेटरों में उत्सर्जन और जीवाश्म ईंधनकी खपत कम करने के लिए एक बेहद प्रभावी समाधान बनकर उभरा है। इस नवाचार को हाल ही में तब बड़ी सफलता मिली जब इसे विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में आयोजित एक समारोह में बेस्ट इमर्जिंग हाइड्रोजन मोबिलिटी वेंचर के लिए प्रतिष्ठित एनर्शिया अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया। आईआईटी दिल्ली में विकसित, एएचओडीएस हाइड्रोजन डुअल फ्यूल किट अपने आप में एक अनोखा आविष्कार है जो टेलपाइप उत्सर्जन (धुए) में 70 प्रतिशत तक की कमी और ईंधन में लगभग 20 प्रतिशत तक की बचत करता है। यह तकनीक ऑटोमोटिव, बिजली उत्पादन, भट्टियों, बॉयलर, कृषि मशीनरी और औद्योगिक अनुप्रयोगों सहित कई क्षेत्रों के लिए उपयोगी है, जो इसे स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने का एक व्यावहारिक और कारगर उपाय बनाती है। इस किट को विभिन्न उद्योगों जैसे कि पेय पदार्थ, विनिर्माण, वस्त्र और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में डीजल पावर जनरेटरों में सफलतापूर्वक लगाया जा चुका है। विशेष रूप से, यह किट पुराने हो चुके वाहनोंके लिए एक विशेष और असरदार समाधान प्रदान करती है, जिससे वाहन बदले बिना ही प्रदूषण में भारी कमी लाई जा सकती है। औद्योगिक बॉयलरों में इस तकनीक का एकीकरण भी अब अंतिम चरण में है। एएचओडीएस टेक्नोलॉजीज ने एचडीएफके को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए नीतिगत सहयोग और समर्थन मांगने हेतु सीएक्यूएम,

सीपीसीबी और जीएनसीटीडी के समक्ष औपचारिक प्रस्तुतियां दी हैं और प्रस्ताव जमा किए हैं। एएचओडीएस डुअल फ्यूल किट, जिसे एडीएफके के नाम से भी जाना जाता है, ने नेत्रा टेक्नोलॉजी रेडिनेस लेवल (टीआरएल) 7 प्रमाणन प्राप्त कर लिया है और एमआईडीसी साइकिल के तहत इसका सफल व्हीकल चेसिस डायनेमोमीटर परीक्षण भी किया गया है। यह प्रणाली मॉड्यूलर है, अपने आप में पूर्ण है और इसे किसी बाहरी गैस सप्लाई इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता नहीं होती। यही खूबी इसे पहाड़ी और रेगिस्तानी इलाकों जैसे दूर-दराज के क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बनाती है। एएचओडीएस समाधान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके लिए इंजन में किसी भी तरह के बदलावकी जरूरत नहीं पड़ती। इसमें पीने के पानी के इलेक्ट्रोलिसिस के जरिए मांग के अनुसार हाइड्रोजन तैयार की जाती है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने उद्योग में बनाई बढ़त

नई दिल्ली, 21 जनवरी 2026 — गर्मियों के पीक सीजन से पहले, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड , सबसे भरोसेमंद ब्रांड (इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणी में) ने घोषणा की है कि वह 2026 के नए ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) स्टार रेटिंग मानकों के पूरी तरह अनुरूप एयर कंडीशनरों की व्यापक रेंज पेश करने वाली शुरुआती कंपनियों में शामिल है। एलजीईआईएल की यह अग्रिम पहल सुनिश्चित करती है कि भारतीय उपभोक्ताओं को आज ही सबसे उन्नत और ऊर्जा-कुशल कूलिंग तकनीक उपलब्ध हो सके। नए बीईई मानक ऊर्जा दक्षता के स्तर में एक बड़ा बदलाव दर्शाते हैं, जिससे पूरे उद्योग के लिए मानक और ऊंचे हो गए हैं और भारत को वैश्विक ऊर्जा प्रदर्शन मानकों के अनुरूप लाया गया है। एलजीईआईएल ने अपने पोर्टफोलियो को पहले ही अपग्रेड कर लिया है, जो उसकी स्थिरता और जिम्मेदार उत्पाद विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संजय चितकारा, को-चीफ सेल्स एंड मार्केटिंग ऑफिसर, टिप्पणी करते हुए कहा, जैसे-जैसे भारत सख्त ऊर्जा दक्षता मानकों की ओर बढ़ रहा है, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड इस बदलाव को शुरुआती अनुपालन और भविष्य के लिए तैयार उत्पाद नवाचार के माध्यम से समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। नए बीईई मानकों के अनुरूप पहले से तैयार हमारे पोर्टफोलियो के साथ, एलजीईआईएल नए सीजन में पूरी तरह तैयार है कि वह अपने उपभोक्ताओं को भरोसेमंद, ऊर्जा-कुशल एयर कंडीशनिंग समाधान प्रदान करे।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एक्सिस बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स फंड

मुंबई, एजेंसी।
भारत की प्रमुख एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक नया फंड ऑफर – एक्सिस बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स फंड – लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है, जो बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स के घटकों में निवेश करता है। इस फंड का एनएफओ 23 जनवरी 2026 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 6 फरवरी 2026 को बंद होगा। इस फंड का प्रबंधन कार्तिक कुमार (फंड मैनेजर) करेंगे। न्यूनतम निवेश राशि 100 है। यह फंड निवेशकों को लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण का अवसर प्रदान करने का लक्ष्य रखता है। यह नया फंड निवेशकों को बीएसई 500 इंडेक्स के 21 क्षेत्रों की भारत की प्रमुख कंपनियों में व्यापक निवेश करने का एक समझदारी भरा तरीका प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इस फंड में बीएसई 500 इंडेक्स के प्रत्येक 21 सेक्टरों से उनकी औसत छह महीने की दैनिक टोटल मार्केट कैपिटलाइजेशन के आधार पर शीर्ष तीन कंपनियों को

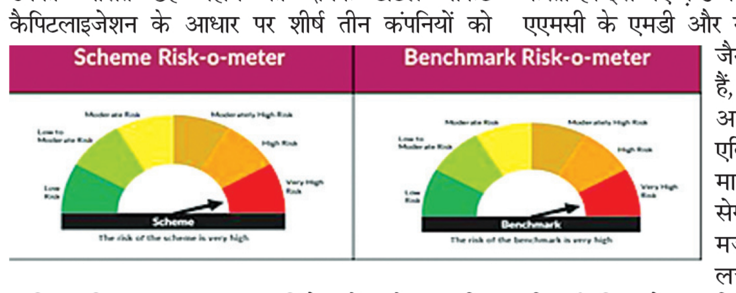

शामिल किया जाएगा। यह निवेशकों को भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में अपने डोमेन की स्थापित दिग्गज कंपनियों तक पहुँच प्रदान करता है। यह फंड निवेशकों को न केवल इंडेक्स के प्रमुख क्षेत्रों, बल्कि अर्थव्यवस्था के उभरते हुए क्षेत्रों में भी निवेश करने में मदद करता है। इस नए फ़ंड के लॉन्च के अवसर पर, एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ, बी. गोपकुमार ने कहा, जैसे-जैसे बाज़ार विकसित हो रहे हैं, निवेशक निवेश के नए और आधुनिक समाधान तलाश रहे हैं। एक्सिस म्यूचुअल फंड में हमारा मानना है कि जो कंपनियाँ अपने सेगमेंट का नेतृत्व करती हैं, उनमें मज़बूत बुनियादी ढाँचा और लचीलापन होता है। एक्सिस बीएसई इंडिया सेक्टर लीडर्स इंडेक्स फंड एक विविध ढांचे के माध्यम से अपने क्षेत्र की अग्रणी और भरोसेमंद कंपनियों में निवेश का अवसर प्रदान करता है। हमारा मानना है कि यह फंड निवेशकों को भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था और भविष्य में भागीदारी करने का मौका देगा।

सेक्टर लीडर्स में निवेश- यह फंड उन निवेशकों के लिए बनाया गया है जो विभिन्न सेक्टरों में स्थापित लीडर कंपनियों के जरिए व्यापक बाजार एक्सपोज़र चाहते हैं। बीएसई 500 इंडेक्स के आधार पर, यह 21 सेक्टरों में से प्रत्येक के शीर्ष तीन कंपनियों में निवेश करेगा। इन सेक्टरों में वित्तीय सेवाएं, सूचना प्रौद्योगिकी, औद्योगिक क्षेत्र, कमोडिटीज़, एफएमसीजी, हेल्थकेयर आदि शामिल हैं।

इंडेक्स संरचना- यह फंड लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों में विविध निवेश प्रदान करता है, जिससे अत्यधिक एकाग्रता का जोखिम कम होता है और सेक्टर के आकार की परवाह किए बिना उचित वेटेज मिलता है। इसका पुनर्गठन हर छह महीने में किया जाएगा, जिससे पोर्टफोलियो का समय-समय पर संतुलन बना रहे।

संतुलित जोखिम- इस इंडेक्स में प्रत्येक स्टॉक का न्यूनतम वेटेज 1% और अधिकतम वेटेज 5% तय है।

रणबीर कपूर बने पीएनजी ज्वेलर्स के नए ब्रांड एंबेसडर, विरासत और आधुनिकता के नए अध्याय की शुरुआत

मुंबई, एजेंसी।
वर्ष 1832 से चली रही विरासत और भारत के सबसे प्रतिष्ठित आभूषण ब्रांड्स में से एक, पीएनजी ज्वेलर्स ने बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर को अपना नया ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है. परंपरा, विश्वासार्हता और आधुनिक आकर्षण के साथ रणबीर कपूर पीएनजी ज्वेलर्स की सफर में एक रोमांचक नया अध्याय जोड़ते हैं, क्योंकि ब्रांड अपनी राष्ट्रीयमौजूदगी को और मजबूत कर रहा है. महाराष्ट्र में स्थापित और अब पूरे भारत व विदेशों में आत्मविश्वास के साथ विस्तार कर रहा पीएनजी ज्वेलर्स, डॉ. सौरभ गाडगीळ के नेतृत्व में एक स्पष्ट और दूरदर्शी सोच के साथ आगे बढ़ रहा है. रणबीर कपूर के साथ यह साझेदारी ब्रांड के विकास को दर्शाती है, साथ ही अपने मूल्यों विश्वास, कारीगरी और विरासत से इसकी गहरी जुड़ाव को भी बनाए रखती है. बॉलीवुड के प्रतिष्ठित कपूर परिवार की सबसे युवा

पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले रणबीर की फिल्मी विरासत और उनकी हिंदी फ़िल्म प्रेमियों के बीच उनके बड़े फैन की संख्या इस सहयोग को पीएनजी ज्वेलर्स के अगले विकास पड़ाव के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनाती है, जो भारत के सभी आयु वर्गों को जोड़ने में मदद करेगी. जनवरी 2026 से शुरू होने वाला यह सहयोग, रणबीर कपूर को मौजूदा ब्रांड फेस के साथ पीएनजी ज्वेलर्स का एंबेसडर बनाएगा। उनकी भूमिका राष्ट्रीयस्तर पर ब्रांड की पहचान को मज़बूत करने,भरोसा बढ़ाने और एंडोर्समेंट, एडवोकेसी और ब्रांड से जुड़ी पहलों के ज़रिए पीएनजी ज्वेलर्स की विरासत को और व्यापक बनाने पर केंद्रित होगी. हालांकि इस सहयोग के तहत किसी विशेष कलेक्शन का लॉन्च नहीं किया जा रहा है, लेकिन यह साझेदारी ब्रांड की दीर्घकालिक विकास रणनीति और राष्ट्रीय रिटेल विस्तार में एक महत्वपूर्ण संकेत है. इस सहयोग पर बोलते हुए अभिनेता रणबीर कपूर ने कहा, पीएनजी ज्वेलर्स एक ऐसी विरासत का प्रतीक है जो पीढ़ियों से चली आ रही है,जो विश्वास व मूल्यों पर आधारित है, जो सच में मुझसे मेल खाते हैं . अपनाने वाले इस ब्रांड का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद स्वाभाविक है, और इस सफर में उनके साथ जुड़कर मुझे गर्व महसूस हो रहा है. इस साझेदारी को लेकर अपनी खुशी और इसके ब्रांड पर दूरगामी प्रभाव को साझा करते हुए पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष और व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा, रणबीर कपूर विरासत और आधुनिक आकांक्षाओं का एक आदर्श संतुलन प्रस्तुत करते हैं.

क्यूपिड लिमिटेड का बाज़ार स्टाइल रिटेल में 331.53 करोड़ का रणनीतिक निवेश

मुंबई, एजेंसी।
क्यूपिड लिमिटेड (बीएसई - 530843, एनएसई - क्यूपिड) ने बाज़ार स्टाइल रिटेल लिमिटेड (स्टाइल बाज़ार) में 331.53 करोड़ के रणनीतिक निवेश की घोषणा की है। स्टाइल बाज़ार देशभर के प्रमुख बाज़ारों में 250+ स्टोर्स का संचालन करने वाली एक स्थापित और लाभदायक वैल्यू रिटेल चेन है, जो कुशल और सुदृढ़ परिचालन के लिए जानी जाती है।आंतरिक संसाधनों से वित्तपोषित यह निवेश 18 महीनों की अवधि में किया जाएगा और यह क्यूपिड की रिटेल उपस्थिति को मजबूत करने, बाज़ार तक पहुंच और पैठ बढ़ाने तथा उच्च संभावनाओं वाले क्षेत्रों में विकास को गति देने की रणनीति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह रणनीतिक निवेश क्यूपिड लिमिटेड को एक मजबूत और तेज़ी से विस्तार कर रहे रिटेल नेटवर्क तक सीधी पहुंच प्रदान करता है, जिससे प्रमुख क्षेत्रीय बाज़ारों में उसके एफएमसीजी उत्पाद पोर्टफोलियो की उपलब्धता और दृश्यता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। स्टाइल बाज़ार का व्यापक स्टोर नेटवर्क क्यूपिड को मौजूदा बाज़ारों में अपनी पकड़ और मजबूत करने के साथ-साथ नए क्षेत्रों में अधिक तेज़ी और दक्षता के साथ प्रवेश करने में सक्षम बनाएगा। स्टाइल बाज़ार के 250+ स्टोर्स में क्यूपिड के उत्पादों की तत्काल उपलब्धता के साथ यह साझेदारी पहले ही दिन से लास्ट-माइल पहुंच और शेल्फ प्रेज़ेंस को मज़बूत करेगी। आने वाले दो से तीन वर्षों में स्टाइल बाज़ार के 500+ स्टोर्स तक विस्तार की योजना के साथ, क्यूपिड के एफएमसीजी उत्पाद भी इस नेटवर्क के समानांतर बढ़ने की उम्मीद है, जिससे उपभोक्ता संपर्क बिंदुओं में वृद्धि और ब्रांड दृश्यता में उल्लेखनीय सुधार होगा। यह निवेश क्यूपिड के विस्तारित उत्पाद पोर्टफोलियो के तेज़ रोल-आउट को भी समर्थन देगा। स्टाइल बाज़ार की मज़बूत स्टोर-स्तरीय निष्पादन क्षमता और उपभोक्ता अंतर्दृष्टि का लाभ उठाते हुए, प्राथमिक बाज़ारों में इन-स्टोर विज़िबिलिटी, मर्चेंडाइजिंग प्रभावशीलता और ग्राहक सहभागिता को और बेहतर बनाया जाएगा। भीतर बढ़कर 500 करोड़ के वार्षिक कारोबार तक पहुंचने का स्पष्ट रोडमैप दर्शाती है।

विशाल भारद्वाज की फिल्म अपने आप में एक एक्टिंग क्लास

तृप्ति डिमरी

बॉलीवुड अभिनेत्री त्रिप्ति डिमरी कहना है कि विशाल भारद्वाज की फिल्म अपने आप में एक एक्टिंग क्लास होती है। फिल्म 'ओ' रोमियो' के साथ त्रिप्ति डिमरी अपने करियर में एक अहम और दमदार मोड़ जोड़ने जा रही हैं। इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में त्रिप्ति ने अपने किरदार अफ़्शा को लेकर खुलकर बात की और बताया कि यह रोल उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी गहरा था। उन्होंने यह भी साझा किया कि शूटिंग के दौरान शाहिद कपूर और अविनाश तिवारी ने हर कदम पर उनका साथ दिया। तृप्ति ने कहा फिल्म 'ओ' रोमियो' में काम करने का अनुभव बहुत शानदार था, लेकिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण भी। अच्छी बात यह रही कि विशाल सर हर समय मेरे साथ थे और शाहिद भी। वह सबसे सपोर्टिव को-एक्टर हैं। अविनाश तिवारी भी हमेशा मदद के लिए मौजूद रहे। इस फिल्म में मेरे जितने भी को-एक्टर्स थे, सभी बहुत सहयोगी थे। सच कहूं तो उनके बिना शायद मैं यह रोल निभा ही नहीं पाती। त्रिप्ति ने यह भी बताया कि उन्होंने अपने किरदार को बेहतर तरीके से समझने के लिए एक्टिंग वर्कशॉप्स की। उन्होंने कहा कि मैंने अतुल मोंगे सर के साथ एक्टिंग वर्कशॉप की। वह वाकई कमाल के हैं। आप उनके वर्कशॉप में यह सोचकर जाते हैं कि एक्टिंग सीखेंगे, लेकिन वहां से आप अपने बारे में और ज़िंदगी के बारे में बहुत कुछ सीखकर लौटते हैं। उनकी मदद से मैं अपने किरदार की गहराई को समझ पाई। यह सफर बहुत खूबसूरत रहा। और जब फिल्म विशाल भारद्वाज सर की हो, तो वह अपने आप में एक एक्टिंग क्लास होती है। वह रोज़ नए-नए चैलेंज देते रहते हैं। हर एक्टर को यह अनुभव ज़रूर लेना चाहिए। 'ओ' रोमियो' में अफ़्शा के किरदार के ज़रिए त्रिप्ति फिल्म की भावनात्मक कहानी को आगे बढ़ाती नजर आएंगी। शाहिद कपूर के साथ उनकी केमिस्ट्री और उनका इंटेंस अभिनय दर्शकों के लिए खास आकर्षण होने वाला है। इस फिल्म में शाहिद कपूर, त्रिप्ति डिमरी, नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, दिशा पटानी, अरुणा ईरानी, विक्रांत मैसी, तमन्ना भाटिया और फ़रीदा जलाल जैसे कई कलाकार नज़र आएंगे।

प्रभास की एक्ट्रेस ने क्यों छोड़ दी एल्कोहल और पार्टी लाइफ? खुद किया खुलासा

साउथ और बॉलीवुड में अपनी अलह पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस निधि अग्रवाल अपनी फिल्मों को लेकर छाई रहती हैं। वो हाल ही में प्रभास के साथ फिल्म द राजा साब में नजर आई हैं। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई है। फिल्म के प्रमोशन के लिए निधि ने बहुत मेहनत भी की थी। निधि अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रही हैं। फैंस उनकी लव लाइफ के बारे में जानने के लिए एक्साइटेड रहते हैं। निधि अग्रवाल ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में कई खुलासे किए। उन्होंने बताया कि उनके दोस्त उन्हें स्टार नहीं मानते हैं। वो सब एक-दूसरे से बहुत ही नॉर्मल बात करते हैं। साथ ही बताया कि उन्होंने छह साल पहले एल्कोहल और पार्टी लाइफ छोड़ दी थी। इसके पीछे की उन्होंने वजह भी बताई। निधि ने कहा - 'मेरे दोस्त मुझे बहुत ही नॉर्मली ट्रीट करते हैं। मेरे दोस्तों के दो ग्रुप हैं। एक फन ग्रुप जो मस्ती करते हैं, बाहर जाते हैं। मेरी जिंदगी का वो हिस्सा लगभग डन हो चुका है. दूसरा कुछ ऐसे दोस्त हैं जो मेरे साथ 20-22 साल से हैं। हम जब मिलते हैं तो कॉफी के लिए जाते हैं, ग्रीन टी पीते हैं। हम बात करते हैं, टच में हैं।

इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को किया 'अनफॉलो'

क्या वरिंदर चावला और महविश की दोस्ती में आई दरार?

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल अपनी स्पिन गेंदबाजी के साथ-साथ सोशल मीडिया पर अपनी सक्रियता के लिए भी जाने जाते हैं। लेकिन हाल ही में आई एक खबर ने उनके प्रशंसकों को चौंका दिया है। खबर है कि युजवेंद्र चहल और मशहूर कंटेंट क्रिएटर आरजे महविश ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को 'अनफॉलो' कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चहल और महविश पहले एक-दूसरे को फॉलो करते थे और अक्सर एक-दूसरे के पोस्ट पर चर्चा में रहते थे। हालांकि, अब दोनों की फॉलोइंग लिस्ट से एक-दूसरे का नाम नदारद है, जिसका मतलब है कि उन्होंने ऑनलाइन दुनिया में अपना कनेक्शन तोड़ लिया है। हालांकि चहल और महवश के एक-दूसरे को अनफॉलो करने के पीछे की वजह अभी पता नहीं चली है, लेकिन नेटिज़न्स संभावित नतीजों को लेकर अटकलें लगा रहे हैं। जो लोग नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि चहल और महवश का रिश्ता हमेशा से अटकलों का विषय रहा है, खासकर 2025 में क्रिकेटर के धनश्री वर्मा से तलाक के बाद। चहल और महवश के बीच संभावित रोमांस की अफवाहें फैल रही थीं, जिसमें कई लोगों को शक था कि वे सिर्फ दोस्त से कहीं ज़्यादा हैं। दोनों को अक्सर एक साथ देखा जाता था, जिससे यह चर्चा और तेज़ हो गई। हालांकि, युजवेंद्र और महवश ने हमेशा यही कहा कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। पिछले साल अपने 'राइज एंड फॉल' के दौरान, धनश्री ने चहल से अपने ब्रेकअप के बारे में बात करते हुए कहा था, 'भले ही मैंने उसे बदलते हुए देखा, मैंने उस पर और रिश्ते पर भरोसा किया। मेरी समस्या यह है कि मैं अपने आस-पास के लोगों को बहुत ज़्यादा मौके देती हूं। लेकिन आखिरकार, मैं इससे थक गई। मैंने अपनी तरफ से सब कुछ करने की कोशिश की और अपना सौ प्रतिशत दिया। मैं हमेशा उसके लिए चिंतित रहूंगी इसकी मैं गारंटी दे सकती हूं। '

संजय लीला भंसाली के रिपब्लिक डे टैब्लो में श्रेया घोषाल की गूंजेगी मधुर आवाज़, 'भारत गाथा' में होगा संगीत का जादू

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (I&B मिनिस्ट्री) ने भारतीय सिनेमा और कहानी कहने की परंपरा को सेलिब्रेट करते हुए रिपब्लिक डे टैब्लो के लिए दो बड़े क्रिएटिव नामों फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली और सिंगर श्रेया घोषाल को एक साथ लाया है। I&B मिनिस्ट्री के रिपब्लिक डे परेड टैब्लो के लिए संजय लीला भंसाली ने 'भारत गाथा' थीम को कॉन्सेप्चुअलाइज़ किया है। यह एक ऐतिहासिक मौका है, क्योंकि पहली बार कोई भारतीय फिल्म निर्देशक देश के सबसे बड़े औपचारिक समारोह में भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करेगा। इस खास विज़न को और प्रभावशाली बनाने के लिए भंसाली ने श्रेया घोषाल को एक विशेष गीत गाने के लिए चुना है, जो 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर टैब्लो के साथ बजेगा। 'भारत गाथा' से जुड़ा I&B मिनिस्ट्री का यह टैब्लो भारत की कहानी कहने की परंपरा को दिखाता है, जहां संगीत, दृश्य, अभिनय और सिनेमा मिलकर हमारी संस्कृति का हिस्सा बनते हैं। आज के दौर में भारतीय सिनेमा देश की कहानियों को सामने लाने का सबसे मजबूत जरिया है, और इसी वजह से इसे इस बड़े सांस्कृतिक सफर में खास जगह दी गई है। डेवलपमेंट से जुड़े एक करीबी सूत्र के मुताबिक, 'श्रेया घोषाल ने संजय लीला भंसाली द्वारा कॉन्सेप्चुअलाइज़ किए गए रिपब्लिक डे टैब्लो 'भारत गाथा' के लिए एक खास गीत गाया है। भंसाली की कहानियों में संगीत हमेशा अहम रहा है और जब भी वह श्रेया के साथ काम करते हैं, उसमें एक अलग ही इमोशनल गहराई देखने को मिलती है। दोनों की यह जोड़ी पहले भी दर्शकों के दिलों में बसने वाले पल दे चुकी है और इस बार वही म्यूज़िकल जादू कर्तव्य पथ पर रिपब्लिक डे परेड का हिस्सा बनेगा। ' यह सहयोग I&B मिनिस्ट्री की सोच को दिखाता है, जहां भारतीय सिनेमा को सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि भारत की सभ्यतागत कहानी कहने की परंपरा का विस्तार माना गया है, एक ऐसी सांस्कृतिक ताकत जो आज भी दुनिया भर में देश की पहचान बनकर सामने आती है। भंसाली की सिनेमाई समझ कहानी को आकार दे रही है और श्रेया घोषाल की आवाज़ उसमें जान डाल रही है। इस तरह, I&B मिनिस्ट्री का रिपब्लिक डे टैब्लो 'भारत गाथा' के तहत भारतीय कहानी कहने की परंपरा को भावुक श्रद्धांजलि देने वाला साबित होगा, जहां इतिहास, संस्कृति और सिनेमा एक साथ मिलते हैं।

रानी मुखर्जी की फैन निकलीं अनुष्का शर्मा

रानी मुखर्जी इन दिनों फिल्म 'मर्दानी 3' को लेकर चर्चा में हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने रानी की जमकर तारीफ की हैं। साथ ही सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर उन्हें अपना फैन बताया। यशराज फिल्म्स की 'मर्दानी' फ्रेंजाईजी की पिछली दो फिल्में काफी पसंद की गई हैं। अब इसकी तीसरी किस्त रिलीज को तैयार है। एक बार फिर रानी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में वापसी कर रही हैं। मजबूत इरादों के साथ वो एक नए मिशन पर निकली हैं। फिल्म की रिलीज से पहले अनुष्का शर्मा ने फिल्म के लिए एक्साइटमेंट जताया और रानी की जमकर तारीफ की है। मर्दानी 3' का ट्रेलर रिलीज होने के बाद अनुष्का शर्मा भी उन सेलेब्रिटीज की लिस्ट में शामिल हो गई हैं, जो रानी मुखर्जी की तारीफ कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फिल्म के लिए अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की. अनुष्का ने बताया कि उन्हें हमेशा से रानी का काम पसंद आया है और वो यह देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं कि वो स्क्रीन पर अब कैसे फिर धूम मचाती हैं।

दलदल में पुलिस अफ़सर बनीं

भूमि पेडनेकर

डीसीपी रीटा फरेरा का निभाया दमदार रोल

भूमि पेडनेकर अपनी नई वेब सीरीज़ दलदल में पहली बार पुलिस अफ़सर का किरदार निभा रही हैं। इस सीरीज़ में वह डीसीपी रीटा फरेरा बनी हैं, जो शांत लेकिन सख़्त अफ़सर है और अपने काम को बहुत गंभीरता से लेती है। भूमि कहती हैं कि उन्हें ऐसे किरदार पसंद हैं जो बिल्कुल परफेक्ट न हों, बल्कि असली इंसानों जैसे लगें। वह अपने रोल को आसान या सुंदर दिखाने की कोशिश नहीं करतीं, बल्कि उसे जैसा है वैसा ही दिखाना चाहती हैं। रीटा फरेरा एक ऐसी अफ़सर है जो पुरुषों से भरे पुलिस सिस्टम में काम करती है। वह ज़्यादा बोलती नहीं है और अपनी भावनाएं भी कम दिखाती है। भूमि बताती हैं कि रीटा शोर मचाकर नहीं, बल्कि शांत तरीके से अपनी बात रखती है, और यही उसे अलग बनाता है। भूमि का कहना है कि समाज में महिलाओं से हमेशा अच्छा और सही बनने की उम्मीद की जाती है, लेकिन वह इस सोच को बदलना चाहती हैं। उनके मुताबिक, अगर कोई महिला उलझी हुई या खामियों से भरी है, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। दलदल एक साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर सीरीज़ है, जिसे अमृत राज गुप्ता ने डायरेक्ट किया है और अबंडैंशिया एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। इसमें समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी अहम रोल में हैं। यह सीरीज़ 30 जनवरी से प्राइम वीडियो पर रिलीज़ होगी और भारत समेत दुनिया के कई देशों में स्ट्रीम की जाएगी।

(साभार एजेंसी)

रिपोर्ट के अनुसार T20 विश्व कप 2026 से बाहर रहने के

सरकार के फैसले से बांग्लादेशी खिलाड़ियों में असंतोष

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 से बांग्लादेश बाहर हो गया है। बांग्लादेश की सरकार ने सुरक्षा का हवाला देते हुए विश्व कप के मैचों के लिए अपनी टीम को भारत न भेजने का फैसला गुरुवार को किया। आईसीसी अपने आधिकारिक प्रेस रिलीज में कभी भी बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड के नाम का ऐलान प्रतिभागी देश के रूप में कर सकता है। बांग्लादेश के क्रिकेटरों के बीच अपनी सरकार के फैसले को लेकर निराशा है। बांग्लादेश के क्रिकेटरों का कहना है कि सरकार ने विश्व कप न खेलने का फैसला लेने से पहले उनसे सलाह लेना उचित नहीं समझा। सरकार के निर्णय ने बांग्लादेशी खिलाड़ियों में असंतोष उत्पन्न कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों की नाराजगी फैसले से ज्यादा उसे लेने के तरीके को लेकर है। संवाद की जगह ऊपर से आदेश वाली संस्कृति अपनाई गई। खिलाड़ियों को लगा कि वे चर्चा का हिस्सा नहीं, बल्कि पहले से तय पटकथा के श्रोता

बनकर रह गए हैं। दरअसल, विश्व कप से बाहर होने का फैसला लेने से पहले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने खिलाड़ियों की एक बैठक बुलाई थी। एक क्रिकेटर ने अपना नाम न छापने की शर्त पर कहा, 'मीटिंग हमारी सहमति के लिए नहीं बुलाई गई थी। हमें सिर्फ यह बताने के लिए बुलाया गया कि क्या होने वाला है। फैसले पहले ही लिए जा चुके थे और हमारी बातों का उस पर कोई असर नहीं पड़ा। पहले खिलाड़ियों से खुलकर राय ली जाती थी, लेकिन इस बार साफ कह दिया गया कि भारत में विश्व कप खेलने का सवाल ही नहीं है। क्रिकेटर के मुताबिक, मामले में बांग्लादेश सरकार का सीधा हस्तक्षेप है। सरकार का कॉल पहले ही आ चुका था। सीधा आदेश था कि टीम नहीं जाएगी। मामला अब क्रिकेटिंग लॉजिक से आगे बढ़कर सुरक्षा और राज्य की नीति के दायरे में चला गया है। रिपोर्ट के मुताबिक मीटिंग के दौरान कप्तान लिटन दास और टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने कहा कि टीम तैयार है और टूर्नामेंट में खेलने को इच्छुक है। इसकी वजह हाल के महीनों में एक मजबूत टी20 यूनिट बनने के लिए हमने कड़ी मेहनत की है और सकारात्मक परिणाम दिए हैं।

एक और वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी की दौड़ में भारत

चैंपियनशिप के लिए लगाई बोली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को हाल ही में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी मिली थी और अब वह एक और वैश्विक टूर्नामेंट में मेजबानी हासिल करने की जुगत में है। भारत 2028 में होने वाले दो बड़े अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए प्रयास कर रहा है जिसके लिए राष्ट्रीय महासंघ ने भुवनेश्वर में विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और अहमदाबाद में विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगाई है। भारतीय

एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने 2024 के अंत में विश्व एथलेटिक्स प्रमुख सेबेस्टियन को के भारत दौरे के दौरान ही अहमदाबाद में 2028 विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बोली लगा दी थी। विश्व एथलेटिक्स की टीम ने कलिंगा स्टेडियम का किया निरीक्षण

ताजा घटनाक्रम में एएफआई ने भुवनेश्वर में 2028 विश्व इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी बोली लगाई है। विश्व एथलेटिक्स की दो सदस्यीय टीम ने बुधवार को भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम परिसर में अत्याधुनिक इंडोर सुविधा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष और पूर्व एएफआई अध्यक्ष आदिल सुमरीवाला के साथ ओडिशा सरकार के अधिकारी भी मौजूद थे। विश्व एथलेटिक्स मार्च में 2028 और 2030 जूनियर विश्व चैंपियनशिप के मेजबान देशों की घोषणा करेगा। विश्व इंडोर चैंपियनशिप के मेजबान शहर की घोषणा भी इसी महीने होने की संभावना है। मालूम हो कि एएफआई ने 2028 एशियन इंडोर चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी भुवनेश्वर को लेकर बोली लगाई है। यह इंडोर स्टेडियम मार्च में भारत की पहली राष्ट्रीय इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करने जा रहा है। अहमदाबाद 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और वह 2031 विश्व (सीनियर) एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भी बोली लगा रहा है।

मिल्ने चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

एस20 के दौरान चोटिल हुए, काइल जैमीसन न्यूजीलैंड टीम में शामिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह काइल जैमीसन को न्यूजीलैंड की वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया गया है। मिल्ने को यह चोट एसए20 लीग में पिछले रविवार मुंबई केप टाउन के खिलाफ सनराइजर्स ईस्टर्न केप की ओर से खेलते हुए लगी थी। वे अपने पहले ही ओवर में चोटिल हो गए थे। बाद में स्कैन में चोट के गंभीर होने की पुष्टि हुई, जिसके चलते उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

जैमीसन अभी भारत से सीरीज में टीम का हिस्सा

जैमीसन अभी भारत के खिलाफ चल रही सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा हैं। जैमीसन पहले वर्ल्ड कप स्क्वॉड में बतौर ट्रैवलिंग रिजर्व शामिल थे। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में वदलाव की डेड लाइन 31 जनवरी तक है। इसके बाद किसी भी रिप्लेसमेंट के लिए आईसीसी से मंजूरी लेनी होगी।

हम सब एडम के लिए दुखी-न्यूजीलैंड कोच - न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा, हम सब एडम के लिए बहुत दुखी हैं। उसने टूर्नामेंट के लिए खुद को तैयार करने के लिए बहुत मेहनत की थी और ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपने आठ मैचों में बेहतरीन फॉर्म में दिख रहा था। यह एडम के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण समय है और हम उसके जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए न्यूजीलैंड की अपडेटेड टीम - मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन ऐलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमैन, डेवोन कॉन्वे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सिफर्ट और इश सोढ़ी।

न्यूजीलैंड का पहला मैच 8 फरवरी को -टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाना है। टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में 7 शहरों के 8 वेन्यू पर खेला जाएगा। 29 दिन में 55 मैच होंगे। न्यूजीलैंड का पहला मैच 8 फरवरी को अफगानिस्तान के खिलाफ खेला जाएगा।

अदार पूनावाला खरीद सकते हैं आरसीबी

बोले- लगाऊंगा बड़ी बोली, डियाजियो अपनी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में, 31 मार्च तक होगा फैसला

नईदिल्ली (एजेंसी)। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के सीईओ और पूनावाला फिनकॉर्प के चेयरमैन अदार पूनावाला ने आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। अदार पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि वे आने वाले कुछ महीनों में टीम के लिए एक मजबूत और बोली लगाएंगे। अदार पूनावाला ने टीम की तारीफ करते हुए लिखा, आरसीबी आईपीएल की बेहतरीन टीमों में से एक है।

यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने इस टीम में रुचि दिखाई है। पिछले साल अक्टूबर में भी उन्होंने कहा था कि अगर सही कीमत मिली तो आरसीबी एक शानदार इन्वेस्टमेंट साबित हो सकती है।

डियाजियो कर रही है टीम का 'स्ट्रैटेजिक रिव्यू' - आरसीबी का मालिकाना हक फिलहाल शराब बनाने वाली दिग्गज मल्टीनेशनल कंपनी 'डियाजियो' के पास है। डियाजियो ने मार्केट रेगुलेटर सेबी को दी गई जानकारी में बताया है कि वह रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में अपने निवेश का 'स्ट्रैटेजिक रिव्यू' कर रही है। आरसीएसपीएल ही वह मूल कंपनी है जो आरसीबी की पुरुष और महिला दोनों टीमों का संचालन करती है। यह रिव्यू 31 मार्च 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है, जिसके बाद टीम की ओनरशिप में बदलाव हो सकता है।

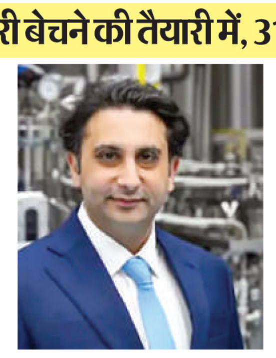

आईपीएल की दूसरी सबसे महंगी टीम थी - आरसीबी साल 2008 में जब आईपीएल की शुरुआत हुई थी, तब आरसीबी लीग की दूसरी सबसे महंगी टीम थी। उस समय इसे 111.6 मिलियन डॉलर (करीब 450 करोड़ रुपए तब के हिसाब से) में खरीदा गया था। पिछले कुछ सालों में टीम की ब्रांड वैल्यू और लोकप्रियता में भारी इजाफा हुआ है, जिससे अब इसकी कीमत कई हजार करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

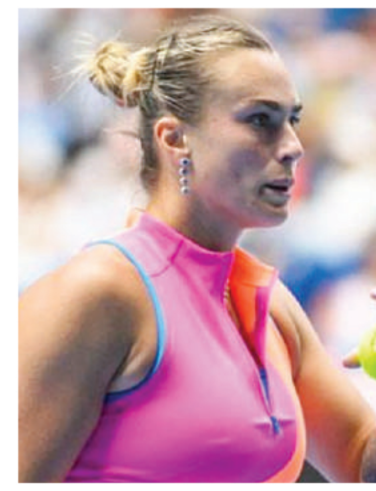

ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में सबालेंका

मेदवेदेव दो साल बाद ग्रैंड स्लैम के चौथे राउंड में, अल्काराज ने 87 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में शुक्रवार को टॉप सीड आर्यना सबालेंका, मेन्स के वर्ल्ड नंबर-1कार्लास अल्काराज, डेनियल मेदवेदेव और विटोरिया म्बोको तीसरे राउंड में जीतकर प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। सबालेंका ने कड़े संघर्ष के बाद अनास्तासिया पोटापोवा को हराकर चौथे दौर में प्रवेश कर लिया है। सबालेंका ने यह मैच 7-6 (4), 7-6 (7) से जीता। अब चौथे दौर (प्री-क्वार्टर फाइनल) में उनका सामना 19 साल की उभरती हुई कनाडाई खिलाड़ी विटोरिया म्बोको से होगा, जिन्होंने क्लारा टॉसन को हराकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

दो टाइब्रेकर तक खिंचा सबालेंका का मैच - पिछले चार साल में अपना तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने की कोशिश में लगी सबालेंका के लिए पोटापोवा के खिलाफ जीत आसान नहीं रही। पहले सेट में सबालेंका 6-5 और 40-0 से आगे थीं, लेकिन पोटापोवा ने तीन सेट पॉइंट बचाकर खेल को टाइब्रेकर में खींच दिया। टाइब्रेकर में भी स्कोर 3-3 से बराबर होने के बाद सबालेंका ने अनुभव का फायदा उठाया और बैकहैंड विनर के साथ पहला सेट जीता। दूसरे सेट में कहानी और भी रोमांचक रही। पोटापोवा एक समय 4-0 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 4-4 कर दिया। दूसरे टाइब्रेकर में पोटापोवा के पास सेट जीतने के तीन मौके थे, लेकिन दबाव के पलों में सबालेंका ने अपना संयम बनाए रखा और मैच अपने नाम किया।

सबालेंका बोलीं- आज बस लड़ने का दिन था

मैच के बाद ऑन-कोर्ट इंटरव्यू में सबालेंका ने अपनी विपक्षी खिलाड़ी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, पोटापोवा ने अविश्वसनीय टेनिस खेला। मैं लगभग पूरे मैच में बैकफुट पर थी। खेल में कुछ दिन ऐसे होते हैं जब आपको बस लड़ना होता है और जीत के लिए जूझना पड़ता है, आज का दिन वैसा ही था।

19 साल की विटोरिया म्बोको पहली बार प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची

कनाडा की 19 साल की विटोरिया म्बोको के लिए 23 जनवरी का दिन ऐतिहासिक रहा। उन्होंने क्लारा टॉसन को तीन सेटों के मुकाबले में 7-6(5), 5-7, 6-3 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के चौथे दौर में जगह बनाई है। जॉन कैन एरिना में हुआ यह मैच उतार-चढ़ाव से भरा रहा, जहां दोनों खिलाड़ियों ने बेसलाइन से लंबी रैलियां कीं।

निर्णायक सेट में दिखाया म्बोको ने दम

दूसरे सेट में कई मौके गंवाने के बाद म्बोको ने तीसरे और निर्णायक सेट में अपनी लय वापस पा ली। उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर 4-1 की बढ़त बना ली। टॉसन ने वापसी की कोशिश की और दो गेम जीते, लेकिन म्बोको ने अपनी पावर और सटीक शॉट्स के दम पर जीत सुनिश्चित की। म्बोको ने अपनी इस जीत पर कहा, यह सब खुद पर विश्वास का नतीजा है। मैं पहली बार यहां खेल रही हूं और चौथे दौर में पहुंचकर बहुत खुश हूं।

जसप्रीत बुमराह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुक्रवार को क्रिकेट के सबसे ऊंचे लेवल पर एक दशक पूरा होने का जश्न मनाया जिसमें उन्होंने एक जोशीले युवा फैन से खेल के सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक बनने के अपने सफर के बारे में बताया।

एक इंस्टाग्राम पोस्ट में बुमराह ने लिखा, उस बच्चे के सपने को जीने के 10 साल, जिसे उस खेल से प्यार हो गया जिसने उसे ऐसा महसूस कराया जैसा इस दुनिया में कुछ भी नहीं करा सकता। उन्होंने आगे कहा कि सोच और सोच के खिलाफ जाने का उनका सफर परिवार और विश्वास के सपोर्ट से जारी है।

बुमराह ने जनवरी 2016 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जहां वह टी20 सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे। पिछले एक दशक में, दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दुनिया भर के क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में सबसे असरदार गेंदबाजों में से एक का नाम कमाया है। वह टेस्ट, वनडे और टी20 में आईसीसी मेन्स प्लेयर रैंकिंग में नंबर 1 रैंकिंग हासिल करने वाले पहले बॉलर हैं, और तीनों फॉर्मेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर हैं। बुमराह घरेलू क्रिकेट में गुजरात और इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को रिप्रेजेंट करते हैं।

रणजी ट्रॉफी 2026

चयनकर्ताओं को सरफराज ने फिर दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। सरफराज खान ने चयनकर्ताओं को फिर दिया जवाब, हैदराबाद के खिलाफ जड़ दिया दोहरा शतक - रणजी ट्रॉफी 2026 के ग्रुप डी के मुकाबले में मुंबई की ओर से खेल रहे

सरफराज खान ने हैदराबाद के खिलाफ दोहरा शतक जड़ दिया है। सरफराज ने 206 गेंद में 19 चौके और 6 छक्कों की मदद से यह डबल सेंचुरी पूरी की। सरफराज का यह 5वां फर्स्ट क्लास क्रिकेट में दोहरा शतक है। सरफराज इसके अलावा एक तिहरा शतक भी लगा चुके हैं। सरफराज ने इस दोहरे शतक के जरिए एकबार फिर चयनकर्ताओं को बल्ले से जवाब दिया है।

- **सरफराज ने पहले ही दिन जड़ दिया था शतक**- सरफराज खान के दोहरे शतक की बदौलत मुंबई की टीम पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 450 से पार जा चुकी है। सरफराज ने मैच के पहले ही दिन अपना शतक पूरा कर लिया था। सरफराज के अलावा सिद्धेश लाड ने भी शतक जड़ा था। सिद्धेश 104 रन बनाकर आउट हो गए थे। खबर लिखे जाने तक सरफराज के साथ सुवेद परकार 65 रन की नाबाद पारी के साथ क्रीज पर हैं।
- **मुंबई का टॉप ऑर्डर जल्दी हो गया था आउट**- इस मैच में हैदराबाद के कप्तान मोहम्मद सिराज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। मुंबई के लिए पहले दिन पारी की शुरुआत करने अखिल हरवाडकर और आकाश आनंद आए। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी हुई ही थी कि अखिल 27 रन के स्कोर पर आउट हो गए।
- **सरफराज और सिद्धेश की साझेदारी से संभली मुंबई**- मुंबई का तीसरा विकेट 82 रन के स्कोर पर गिरा था जब मुशीर खान 11 रन पर चलते बने। तीन विकेट गिर जाने के बाद मुंबई दवाब में थी, लेकिन इसके बाद सिद्धेश और सरफराज ने मिलकर पारी को संभाल लिया।

गुजरात जायंट्स की तेज गेंदबाज तितास साधु टूर्नामेंट से बाहर

इस ऑलराउंडर की हुई एंट्री

वडोदरा, एजेंसी। गुजरात जायंट्स को डब्ल्यूपीएल 2026 के बीच में एक झटका लगा है। टीम की युवा तेज गेंदबाज तितास साधु चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह भरने के लिए गुजरात ने असम की ऑलराउंडर जिंतिमणी कलिता को अपने खेमे में शामिल किया है। साधु पिछले दो सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थीं और 7 मैच खेल चुकी थीं। उन्हें नवंबर की मेगा नीलामी में गुजरात ने 30 लाख रुपए की बोली लगाकर अपनी टीम से जोड़ा था। हालांकि फिटनेस की समस्याओं के चलते वे 2026 के सीजन में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाईं। तितास के लिए पिछला साल भी चोटों से भरा रहा, जिसके कारण उन्हें कई अहम मौकों पर मैदान से दूर रहना पड़ा। पिछले साल जनवरी में आयरलैंड के विरुद्ध घरेलू वनडे सीरीज और फिर डब्ल्यूपीएल के तीन मैचों के बाद से उनकी फिटनेस उनका साथ छोड़ती रही।

पाकिस्तान ने चली चाल

जिम्बाब्वे को पहुंचाया फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर चालबाजी करने में पाकिस्तान की सीनियर टीम ही नहीं बल्कि जूनियर टीम भी काफी माहिर है। गुरुवार को अंडर 19 विश्व कप के एक मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान की अंडर 19 टीम ने कुछ ऐसा ही किया। दरअसल, विश्व कप के 19वें मैच में पाकिस्तान ने मेजबान जिम्बाब्वे 8 विकेट से हरा तो दिया, लेकिन इस मैच में पाकिस्तान ने ऐसी चाल चली कि उसने जिम्बाब्वे को फायदा पहुंचाया और स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस मैच में जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को 129 रन का लक्ष्य दिया था। मेजबानों ने 35.5 ओवर में 128 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान की टीम ने इस लक्ष्य को 26.2 ओवर में हासिल किया।

एक समय पर पाकिस्तान की टीम 14 ओवर में 2 विकेट खोकर 84 रन बना चुकी थी, लेकिन उसके बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी जानबूझकर धीरे खेले और 12.2 ओवर में 45 रन बनाए। यहीं पर पाकिस्तान की चाल सामने आ गई।

इस चाल से पाकिस्तान को भी होगा फायदा

नियमों के मुताबिक, टीमें ग्रुप स्टेज से सुपर सिक्स राउंड में पॉइंट्स और नेट रन रेट से आगे बढ़ाती हैं, लेकिन सिर्फ उन्हीं मैचों में जिनमें ग्रुप से अगले राउंड के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमें शामिल होती हैं। ज़िम्बाब्वे को सुपर सिक्स के लिए क्वालिफ़ाई करने में मदद करके पाकिस्तान ने अपना नेट रन रेट बढ़ाया जिसका फायदा पाकिस्तान को सुपर 6 में होगा। पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को 142 गेंदें बाकी रहते हरा दिया, यह जीत का अंतर स्कॉटलैंड पर उसकी जीत से काफ़ी ज्यादा था। जिम्बाब्वे के खिलाफ पाकिस्तान को 41 गेंद रहते जीत मिली थी।

गणतंत्र दिवस की परेड में दिखेगी डीआरडीओ की लंबी दूरी की पोत-रोधी हाइपरसोनिक मिसाइल

नई दिल्ली,(भाषा)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित लंबी दूरी की पोत-रोधी हाइपरसोनिक मिसाइल (एलआर-एएसएचएम) का प्रदर्शन यहां 77वें गणतंत्र दिवस की परेड के दौरान किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बृहस्पतिवार को बताया कि एलआर-एएसएचएम एक हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल है, जो स्थिर और गतिमान दोनों प्रकार के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है तथा विभिन्न प्रकार के पेलोड ले जाने के लिए डिजाइन की गई है। यह स्वदेशी एवियोनिक्स प्रणालियों और उच्च सटीकता वाले सेंसर पैकेज से युक्त अपनी तरह की पहली मिसाइल है।डीआरडीओ इस मिसाइल को परेड में लॉन्चर के साथ प्रदर्शित करेगा। बयान में कहा गया कि यह हथियार प्रणाली भारतीय नौसेना की तटीय बैटरी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित की गई है।अधिकारियों ने बताया कि यह हाइपरसोनिक मिसाइल क्वासी-बैलिस्टिक प्रक्षेपवक्र का अनुसरण करती है, जिसमें इसकी गति मैक 10 से शुरू होकर कई चरणों में औसतन मैक 5.0 बनी रहती है।बयान में कहा गया कि अंतिम चरण में गतिमान लक्ष्यों को भेदने के लिए इसमें स्वदेशी रूप से विकसित सेंसर लगाए गए हैं। कम ऊंचाई पर अत्यधिक गति और उच्च गतिशीलता के साथ उड़ान भरने के कारण शत्रु के भू-आधारित और पोत-आधारित रडार इसके अधिकतर मार्ग के दौरान इस मिसाइल का पता नहीं लगा पाते।एलआर-एएसएचएम को दो चरणों वाले ठोस ईंधन रॉकेट प्रणोदन तंत्र से सुसज्जित किया गया है। ए प्रणोदन प्रणालियां मिसाइल को आवश्यक हाइपरसोनिक गति तक पहुंचाती हैं। बयान के अनुसार प्रथम चरण के उपयोग के बाद प्रक्षेपक को अलग कर दिया जाता है। द्वितीय चरण के समाप्त होने के बाद मिसाइल वायुमंडल में आवश्यक युद्धाभ्यास करते हुए बिना प्रणोदन के आगे जाती है और फिर लक्ष्य पर प्रहार करती है।डीआरडीओ की झांकी भारत पर्व में भी प्रदर्शित की जाएगी, जिसका आयोजन 26 से 31 जनवरी तक लाल किले में किया जाएगा।झांकी का विषय लड़ाकू पनडुब्बियों के लिए नौसैनिक प्रौद्योगिकियां है, जिसमें नौसेना की पारंपरिक पनडुब्बियों के लिए बल-वर्धक के रूप में कार्य करने वाली स्वदेशी तकनीकों और प्रणालियों का प्रदर्शन किया जाएगा।इन प्रणालियों में इंटीग्रेटेड कॉम्बट सूट (आईसीएस), वायर गाइडेड हेवी वेट टॉरपीडो (डब्ल्यूजीएचडब्ल्यूटी) और एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन शामिल हैं, जो जल क्षेत्र में युद्ध के दौरान भारत की श्रेष्ठता सुनिश्चित करेंगे।

पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानों में बारिश से उत्तर भारत में शुष्क मौसम का दौर खत्म हुआ

नई दिल्ली, (भाषा)। उत्तर भारत में शुक्रवार की सुबह घने काले बादलों के बीच कहीं बर्फबारी तो कहीं बारिश के साथ शुरू हुई। इसकी वजह से दिल्ली सहित कई इलाकों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ और इसका असर गणतंत्र दिवस परेड के फुड ड्रेस रिहर्सल पर भी पड़ा। क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे शुष्क मौसम का अंत बर्फबारी और बारिश के साथ हुआ, जिससे तापमान में भारी गिरावट आई। इससे कई किसानों ने राहत की सांस ली और उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में लंबी छुट्टियों की तैयारी कर रहे पर्यटकों में खुशी की लहर दौड़ गई। जम्मू और कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में ताजा हिमपात के कारण श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग को यातायात के लिए बंद करना पड़ा, कुछ समय के लिए त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा भी स्थगित करनी पड़ी और कश्मीर में 20 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। अधिकारियों ने बताया कि गुलमर्ग के प्रसिद्ध स्कीइंग रिजॉर्ट में दो फुट से अधिक ताजा बर्फबारी हुई, जबकि गांदरबल जिले के सोनमर्ग पर्यटक रिजॉर्ट में छह इंच से अधिक और दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम रिर्जाट में लगभग तीन इंच बर्फ गिरी। उन्होंने बताया कि बडगाम, बारामूला, कुपवारा, शोपियां, पुलवामा और बांदीपोरा जिलों के कई इलाकों में मध्यम से भारी बर्फबारी दर्ज की गई, जबकि अनंतनाग और कुलगाम जिलों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में भारी बर्फबारी के कारण श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ानें रद्द होने निलंबित कर दी गई, क्योंकि बर्फबारी से रनवे विमानों के संचालन के लिए असुरक्षित हो गया था। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के एक अधिकारी ने बताया, श्रीनगर में प्रतिकूल मौसम और हिमपात के कारण, रनवे फिलहाल सुरक्षित विमान संचालन के लिए उपलब्ध नहीं है।

हर भारतीय को स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए : उपराष्ट्रपति

भुवनेश्वर, (भाषा)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि हर भारतीय को देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए। राधाकृष्णन ने बोस के निडर नेतृत्व, अदम्य साहस और स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन पराक्रम के सच्चे सार का प्रतीक है, जो भावी पीढ़ियों को साहस, बलिदान एवं राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उपराष्ट्रपति शुक्रवार को ओडिशा की अपनी पहली यात्रा पर सुबह भुवनेश्वर पहुंचे और कटक में बोस की जयंती पर आयोजित पराक्रम दिवस समारोह में हिस्सा लिया। उडयि़ा बाजार में आयोजित कार्यक्रम में दिखाए गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वीडियो संदेश का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2021 में बोस की जयंती को

पराक्रम दिवस घोषित करके उन्हें उचित सम्मान दिया। राधाकृष्णन ने कहा, विचार में मतभेद हो सकते हैं, आजादी के लिए लड़ाई के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं... लेकिन हर भारतीय को महान बलिदानों को मान्यता देनी चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने याद दिलाया कि 2018 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में रॉस द्वीप का नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप कर दिया था। उन्होंने इसे भारत के महान सपूत बोस को सम्मानित करने वाला कदम बताया। राधाकृष्णन ने कहा, मोदी की निर्णायक कार्वाई और राष्ट्र की सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पराक्रम की भावना को व्यक्त करती है, जो साहस और दृढ़ संकल्प की भावना है। उन्होंने कहा कि बोस की ओर से फॉरवर्ड ब्लॉक का गठन महात्मा गांधी के खिलाफ नहीं था, बल्कि औपनिवेशिक शासन से लडने के लिए एक अलग दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता था। राधाकृष्णन ने कहा, जब वे (बोस) कटक पहुंचे, तो हजारों लोग आए। उस समय महात्मा गांधी को हर कोई जानता था और वे एक निर्विवाद नेता थे। उस निर्विवाद नेता पर केवल एक व्यक्ति ने सवाल उठाए और वह थे नेताजी सुभाष चंद्र बोस। इससे पता चलता है कि वह कितने महान नेता थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पराक्रम केवल नेताजी की स्मृति नहीं है, बल्कि प्रत्एक भारतीय के लिए साहसपूर्वक कार्य करने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान है।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर संबंधी तनाव के कारण रोजाना तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं: ममता

कोलकाता, (भाषा)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को दावा किया कि राज्य में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद को लेकर फैली चिंता के कारण हर दिन तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में कोलकाता में रेड रोड पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि निर्वाचन आयोग और केंद्र सरकार को इन मौतों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, अब तक 110 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। प्रतिदिन तीन से चार लोग एसआईआर की वजह से अत्यधिक चिंता के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। अस्पतालों में 40 से 45 और लोग जिंदगी-मौत से जूझ रहे हैं। इतने साल बाद क्या हमें यह साबित करना होगा कि हम इस देश के नागरिक हैं? आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में मतदाता सूची की एसआईआर कवायद जारी है। बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पश्चिम बंगाल के खिलाफ साजिश रचने का भी आरोप लगाया और कहा कि महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और बी आर आंबेडकर जैसी महान हस्तियों का अपमान किया जा रहा है।

अपनी कमजोरी का असर अर्थव्यवस्था पर न पड़ने दें प्रधानमंत्री: राहुल गांधी

नई दिल्ली,(भाषा)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी शुल्क के कारण भारतीय कपड़ा उद्योग को हो रहे नुकसान को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें अपनी कमजोरी का असर अर्थव्यवस्था पर और नहीं पडने देना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता होना चाहिए जिसमें भारतीय व्यवसाय और मजदूरों को तवज्जो मिले। राहुल गांधी ने हाल ही में गुरुग्राम के निकट मानेसर में एक कपड़ा फैक्ट्री का दौरा किया और इसका वीडियो उन्होंने शुक्रवार को अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। राहुल ने कहा, मोदी जी, आपकी जवाबदेही बनती है, कृपया इस मामले पर ध्यान दीजिए। उनका कहना था, भारत का कपड़ा उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था में रोजगार देने के मामले में दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। हमारे कपड़े दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं, और हमारे दर्जियों की कारीगरी का सच में कोई मुकाबला नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेरिकी शुल्क के कारण कपड़ा उद्योग बहुत अनिश्चितता का सामना कर रहा है।राहुल गांधी ने दावा किया, अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, यूरोप में कीमतें गिर रही हैं, बांग्लादेश एवं चीन से कड़ा मुकाबला है, हमारे कपड़ा उद्योग और कपड़ा निर्यातक हर तरफ से पिस रहे हैं। उनका कहना था, इसका सीधा असर नौकरियों पर पड़ रहा है, इकाइयां बंद हो रही हैं, खरीद घट रही है और पूरे क्षेत्र में खलबली है।

बाल ठाकरे से न मिल पाना शिवसेना छोड़ने से भी ज्यादा पीड़ादायक था : राज ठाकरे

मुंबई, (भाषा)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा है कि शिवसेना छोडने के बाद पार्टी संस्थापक बाल ठाकरे से पहले की तरह बार-बार मुलाकात न कर पाना उनके लिए पार्टी छोड़नक से भी ज्यादा तकलीफदेह था।राज ने अपने दिवंगत चाचा को एक ऐसे पर्वत के रूप में वर्णित किया जो उनके पीछे खड़ा रहा। बाल ठाकरे की जन्म शताब्दी के मौके पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के मुखपत्र सामना में श्रद्धांजलि लेख में राज ने अपने ताऊ के साथ अपने गहरे रिश्ते को याद करते हुए कहा कि 2005 में पार्टी से अलग होने के परिणामों की तुलना में उनके लिए पारिवारिक घर मातोश्री छोडने का निजी दुख कहीं अधिक बड़ा था।राज ने लिखा कि 1991 में जब

वह अविभाजित शिवसेना की छात्र इकाई के प्रमुख थे और काला घोड़ा में इसने मोर्चा निकाला था, तब बाल ठाकरे ने सार्वजनिक लैंडलाइन फोन के जरिए उनका भाषण सुना था।मनसे प्रमुख ने इस बात का भी जिक्र किया कि बचपन में एक बार वह जल गए थे तब उनके ताऊ ने दो महीने तक उनके घावों पर एंटीसेप्टिक लगाकर उन्हें साफ किया था और दो महीने तक उनकी देखभाल की थी।राज ने अपने लेख में लिखा, जब मैंने (अविभाजित शिवसेना से) अलग होने का फैसला किया, तो एक बात मुझे खूब परेशान करती थी कि मैं पहले की तरह अपने लोगों से बार-बार नहीं मिल पाऊंगा। मैंने अपने पिता को खो दिया था और अब मैं अपने ताऊ से भी दूर जा रहा था। यह विचार मुझे अंदर ही अंदर खाए जा रहा था। पार्टी छोडने से ज्यादा, घर (मातोश्री) छोडना ज्यादा तकलीफदेह था। राज ने बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे पर आरोप लगाते हुए अविभाजित शिवसेना 2005 में छोड़ दी थी और एक साल बाद मनसे का गठन किया था।उन्होंने लिखा, मेरे ताऊ बालासाहेब केशव ठाकरे का मेरे बचपन और युवावस्था पर गहरा असर था। वह मेरे पीछे पर्वत की तरह खड़े रहे।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड और दो अन्य राज्यों के संयुक्त अभियान में 60 से अधिक शिकारी गिरफ्तार: अधिकारी

मेदिनीनगर, (भाषा)। झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के वन अधिकारियों द्वारा पिछले साल नवंबर से इस साल 20 जनवरी के बीच चलाए गए एक संयुक्त अभियान के दौरान वन्यजीव अपराधों में कथित रूप से लिप्त कुल 61 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पलामू बाघ अभयारण्य के उप निदेशक प्रजेश जेना ने पत्रकारों को बताया कि यह अभियान तीनों राज्यों के संरक्षित क्षेत्रों में चलाया गया था।उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान टीम ने तीन देशी हथियारों के अलावा जहरीले सांप का जहर, हिरण और तेंदुए की खाल तथा लगभग 60 किलोग्राम पैंगोलिन के शल्क भी बरामद किए हैं जेना ने बताया कि इस अभियान में बिहार, छत्तीसगढ़ और झारखंड के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) स्तर के अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।जेना के अनुसार, दक्षिण एशिया के कुछ हिस्सों में वन्यजीव से बने उत्पादों की मांग अधिक है, जहां इन उत्पादों का कथित तौर पर उपयोग औषधीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

छत्तीसगढ़ में 47 लाख रुपए के इनामी नौ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

धमतरी (छत्तीसगढ़), (भाषा)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में शुक्रवार को 47 लाख रुपए के इनामी नौ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली ओडिशा के धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा संभाग के अंतर्गत आने वाली माओवादी कमेटी की नगरी और सीतानदी एरिया कमेटी तथा मैनपुर लोकल गुरिल्ला स्क्वाड (एलजीएस) से संबंधित हैं, जिनमें सात महिलाएं भी शामिल हैं। माओवादियों ने यहां पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया और खोखली माओवादी विचारधारा पर निराशा व्यक्त की तथा वन जीवन की कठिनाइयों का भी उल्लेख किया। मिश्रा ने बताया कि माओवादी राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित हुए।उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में से सीतानदी एरिया कमेटी की सचिव ज्योति उर्फ जैनी (28) और संभागीय समिति सदस्य उषा उर्फ बलम्मा (45) पर आठ-आठ लाख रुपए का इनाम था।मिश्रा ने बताया कि छह अन्य नक्सलियों रामदास मरकाम (30), रोनी उर्फ उमा (25), निरंजन उर्फ पोडिया (25), सिंधु उर्फ सोमादी (25), रीना उर्फ चिरो (25) और अमिला उर्फ सन्नी (25) पर पांच-पांच लाख रुपए का इनाम था, जबकि लक्ष्मी पुनेम (18) पर एक लाख रुपए का इनाम था। उन्होंने कहा कि बलम्मा तेलंगाना की रहने वाली है, जबकि अन्य नक्सली छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से हैं।मिश्रा ने कहा, इस घटनाक्रम के साथ, रायपुर पुलिस रेंज के अंतर्गत धमतरी और गरियाबंद जिलों के साथ-साथ ओडिशा के नुआपाड़ा जिले में सक्रिय सभी सूचीबद्ध नक्सली - निम्न से लेकर शीर्ष रैंक तक - या तो मारे गए हैं, आत्मसमर्पण कर चुके हैं या अब इस क्षेत्र में सक्रिय नहीं हैं। अधिकारी ने बताया कि पांच नक्सलियों ने आत्मसमर्पण के साथ दो इंसास राइफल, दो एसएलआर, एक कार्बाइन और एक बंदूक अधिकारियों को सौंपी।

रैगिंग, मारपीट के आरोप में 22 छात्रों और एक बाहरी व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

बेंगलुरु,(भाषा)। बेंगलुरु के एक कॉलेज में जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग करने और एक स्टाफ सदस्य से मारपीट करने के आरोप में 22 छात्रों और एक बाहरी व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों में से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि बाकी के फरार संदिग्धों को पकडने के प्रयास जारी हैं। पुलिस ने बताया कि देवनहल्ली स्थित आकाश ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के दाखिला विभाग के प्रमुख मिथुन माधवन द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर 16 जनवरी को मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर 14 जनवरी को कैंपस में प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ रैगिंग की और उन्हें सिगरेट और पेय पदार्थ लाने और उनकी किताबें ढोने जैसे आदेशों का पालन करने के लिए मजबूर किया। जब जूनियर छात्रों ने माधवन से संपर्क किया, तो उन्होंने सीनियर छात्रों को ऐसी हरकतें न दोहराने की चेतावनी दी। सीनियर छात्रों ने 15 जनवरी को कथित तौर पर रैगिंग फिर से शुरू कर दी, जिसके बाद जूनियर छात्रों ने माधवन को इसकी सूचना दी। पुलिस के अनुसार, इसके बाद माधवन जूनियर छात्रों के साथ कॉलेज के पीछे एक चाय की दुकान के पास सीनियर छात्रों से मिलने गए और उन्हें चेतावनी दी। इस दौरान स्थिति और बिगड़ गई तथा सीनियर छात्रों ने कथित तौर पर जूनियर छात्रों और माधवन से मारपीट की।

जम्मू कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद का एक प्रमुख पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया

जम्मू, (भाषा)। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक प्रमुख पाकिस्तानी आतंकवादी को मार गिराया। पुलिस ने यह जानकारी दी। जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने बताया कि बिल्लावार इलाके में एक संयुक्त अभियान के दौरान आतंकवादी को मार गिराया गया। जम्मू पुलिस प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिल्लावार में सेना और सीआरपीएफ के साथ संयुक्त अभियान में जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक पाकिस्तानी जैश आतंकवादी को मार गिराया। अधिकारियों ने मृत आतंकवादी की पहचान जैश-ए-मोहम्मद कमांडर उस्मान उर्फ 'अबू माविया' के रूप में की है। उन्होंने बताया कि परहेतर क्षेत्र के एक सुदूर गांव में चलाए गए अभियान के दौरान उसके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए, जिसमें एक एम4 स्वचालित राइफल भी शामिल है। सेना के राइजिंग स्टार कोर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक अलग पोस्ट में कहा कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर सेना और पुलिस ने 23 जनवरी को परहेतर क्षेत्र में संयुक्त अभियान चलाया। संयुक्त बलों की सटीक कार्रवाई में एक विदेशी आतंकवादी को मार गिराया गया। इसमें कहा गया है कि आखिरी रिपोर्ट मिलने तक तलाशी अभियान जारी था। अधिकारियों ने बताया कि उस्मान जैश-ए-मोहम्मद के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक था और वह पिछले कुछ वर्षों से उधमपुर-कठुआ क्षेत्र में सक्रिय था। उन्होंने बताया कि वह अतीत में कई मुठभेड़ों से बच निकला था। अधिकारियों ने बताया कि संयुक्त तलाशी दल ने एक घर पर छापा मारा और वहां छिपे एक आतंकवादी ने उन पर गोलियां चलाई। तलाशी दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे मार गिराया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ कुछ ही मिनट तक चली और उन्होंने इस खूंखार आतंकवादी के मारे जाने को सुरक्षा बलों के लिए बड़ी सफलता बताया। इस बीच सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को छठे दिन भी किस्तवाड़ जिले के चतरू क्षेत्र में सोनार, मन्द्रल-सिंहपोरा और आसपास के जंगलों में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों की तलाश के लिए अभियान जारी रखा। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में हिमपात के बावजूद अभियान जारी रखा गया।

मुंबई पुलिस ने रेमा डिसूजा से वसूली मामले में गैंगस्टर रवि पुजारी को हिरासत में लिया

मुंबई, (भाषा)। मुंबई पुलिस ने कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा और उनकी पत्नी से 50 लाख रुपए की उगाही करने की कोशिश के 2018 के मामले में गैंगस्टर रवि पुजारी को हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपराध शाखा के वसूली रोधी प्रकोष्ठ ने पुजारी को बेंगलुरु जेल से हिरासत में लिया और बृहस्पतिवार को मुंबई की एक अदालत में पेश किया। एक अधिकारी ने बताया कि पुजारी को 27 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि 56 वर्षीय गैंगस्टर ने 2018 में कोरियोग्राफर और एक फिल्म निर्माता के बीच वित्तीय विवाद के बाद डिसूजा और उनकी पत्नी को कथित तौर पर धमकी दी थी और उनसे 50 लाख रुपए की मांग की थी। पुजारी के खिलाफ मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे और कर्नाटक में 49 मामले दर्ज हैं। अधिकारी ने बताया कि वसूली का मामला गैंगस्टर के खिलाफ लंबित नौ मामलों में से दूसरा है जिसके लिए उसे हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि सेनेगल सरकार ने पिछले साल गैंगस्टर के खिलाफ नौ मामलों में अभियोजन को मंजूरी दी थी, जिनमें से तीन में कड़े महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) को लागू किया गया है।

गोवा नाइटक्लब अग्निकांड: ईडी ने तीन राज्यों में छापे मारे

» जांचकर्ताओं ने कुछ परिसरों से कुछ दस्तावेज बरामद किए हैं

पणजी/नई दिल्ली,(भाषा)। गोवा के नाइटक्लब बर्च बाय रोमियो लेन के प्रवर्तकों के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज करने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को गोवा, हरियाणा और दिल्ली में छापे मारे। इसी नाइटक्लब में पिछले साल दिसंबर में भीषण आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।कम से कम नौ परिसरों पर तलाशी ली जा रही है जिनमें राजधानी दिल्ली के किंग्सवे कैंप में स्थित सौरभ और गौरव लूथरा बंधुओं के कार्यालय और आवास, हरियाणा के गुरुग्राम में तत्त्वम विला में सह-मालिक अजय गुप्ता का ठिकाना, इसके अलावा गोवा में अरपोरा-नागोआ के पूर्व सरपंच रोशन रेडकर और पंचायत सचिव रघुवीर बागकर के परिसर शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांचकर्ताओं ने कुछ परिसरों से कुछ दस्तावेज बरामद किए हैं। ईडी के अधिकारियों के अनुसार, रेडकर और बागकर पर क्लब के लिए अवैध व्यापार लाइसेंस और अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी करने एवं सुविधा प्रदान करने का आरोप है।

विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए पहली बार मानवरूपी रोबोट का इस्तेमाल

विशाखापत्तनम, (भाषा)। भारतीय रेलवे में अपनी तरह की पहली पहल के तहत पूर्वी तट रेलवे (ईसीआर) जोन के वाल्टेयर मंडल ने यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन पर एक मानवरूपी रोबोट एएससी अर्जुन को पेश किया है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के तत्वावधान में रोबोट को तैनात किया गया है जो इसके आधुनिकीकरण और डिजिटल परिवर्तन अभियान का हिस्सा है जिसका उद्देश्य सुरक्षा संचालन को मजबूत करना और यात्रियों की सहायता में सुधार करना है। आरपीएफ के महानिरीक्षक (आईजी) आलोक बोहरा ने बृहस्पतिवार देर रात एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि पूर्व तट रेलवे जोन के वाल्टेयर डिवीजन ने यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और सेवा को मजबूत करने के लिए विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन पर एएससी अर्जुन नामक एक मानवरूपी रोबोट तैनात किया है। मंडल रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) ललित बोहरा ने कहा कि रोबोट उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) कनेक्टिविटी और वास्तविक समय की निगरानी क्षमताओं से लैस है, जिससे यह आरपीएफ कर्मियों और यात्रियों दोनों के लिए एक स्मार्ट सहायक के रूप में कार्य कर सकता है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि एएससी अर्जुन को सुरक्षा निगरानी, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता निगरानी और सुरक्षा जागरूकता में सहयोग करने के साथ-साथ मानव संसाधन के बोझ को कम करने तथा प्रतिक्रिया समय में सुधार करने के लिए डिजाइन किया गया है।अधिकारियों ने कहा कि मानवरूपी रोबोट को स्वदेशी नवाचार के माध्यम से पूरी तरह से विशाखापत्तनम में डिजाइन और विकसित किया गया है। इसके लिए आरपीएफ टीम ने वरिष्ठ रेलवे और सुरक्षा अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक वर्ष से अधिक समय तक काम किया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com